लखनऊ

शुक्रवार, 10 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 312

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जिसने भी किया है कुछ बड़ा वो कभी किसी से नहीं डरा अगर सूरज के तरह जलना है तो रोज उगना पड़ेगा

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

हरिद्वार-रुड़की में बारिश का कहर: सड़कें बनीं तालाब, घरों में घुसा पानी, स्कूल बंद

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। हरिद्वार और आसपास के क्षेत्रों में देर रात से लगातार झमाझम बारिश हो रही है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति बन गई है, जबकि रुड़की में हालात और भी खराब हो गए हैं। भारी बारिश के चलते जिला प्रशासन ने 9 जुलाई को सभी सरकारी, अशासकीय और निजी विद्यालयों के साथ-साथ सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित कर दिया है। लगातार हो रही बारिश के कारण मध्य हरिद्वार के व्यस्ततम श्री चंद्राचार्य चौक और भगत सिंह चौक रेलवे पुलिया के नीचे घुटनों तक पानी भर गया है। जलभराव के चलते वाहनों और पैदल राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई मार्गों पर यातायात धीमी गति से चल रहा है और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान हरिद्वार में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। वहीं, भीमगोड़ा बैराज पर गुरुवार सुबह 8 बजे गंगा का जलस्तर 291.10 मीटर रिकॉर्ड किया गया। यह अभी भी चेतावनी स्तर 293 .00 मीटर और खतरे के स्तर 294 .00 मीटर से नीचे है। इसके बावजूद जिला प्रशासन ने गंगा किनारे रहने वाले लोगों और श्रद्धालुओं से सतर्क रहने तथा नदी के किनारे अनावश्यक रूप से न जाने की अपील की है। हर साल जलभराव की समस्या झेलने वाला रुड़की इस बार मानसून की शुरुआती बारिश में ही बुरी तरह प्रभावित हो गया है। शहर के कई इलाकों में एक से तीन फुट तक पानी भर जाने से करीब डेढ़ से दो लाख की आबादी प्रभावित हुई है। अनेक घरों के अंदर पानी घुस गया है, जिससे लोगों का सामान्य जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। कई परिवार घरों में ही फंसकर रह गए हैं।

रोहिणी हादसे पर आप का बीजेपी पर बड़ा हमला, सेफ्टी ऑडिट सिर्फ़ दिखावा, नहीं कोई जवाबदेही

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को रोहिणी में इमारत गिरने की घटना, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई, को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने ऐसी घटनाओं से निपटने में ज़रा भी जवाबदेही न होने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार सुरक्षा ऑडिट को सिर्फ़ दिखावा बना रही है और ज़िम्मेदार लोगों को बचा रही है। एक्स पर एक पोस्ट में भारद्वाज ने कहा ज़रा भी जवाबदेही नहीं। रोहिणी में इमारत गिरने से मलबे के नीचे अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है और 3 लोग घायल हुए हैं। साकेत (सैदुलजाब) में इमारत गिरने की घटना से '4-इंजन वाली बीजेपी सरकार' ने क्या सीखा? उन्होंने आरोप लगाया कि BJP सरकार ने दिल्ली भर की इमारतों का सेफ्टी ऑडिट करने का दावा किया था, लेकिन ऐसी त्रासदियों को रोकने में नाकाम रही। भारद्वाज ने आरोप लगाया, BJP सरकार ने दावा किया था कि उन्होंने दिल्ली की सभी इमारतों का सेफ्टी ऑडिट किया है और खतरनाक इमारतों की पहचान की है। ऐसा लगता है कि सरकार और MCD ने इस मौके का इस्तेमाल शहर के कारोबारियों पर दबाव बनाने और सेफ्टी ऑडिट के नाम पर भारी रिश्वत वसूलने के लिए किया। यह पूरी कवायद सिर्फ दिखावा थी।

'ये शो हाउसफुल है...', मेलबर्न में गदगद पीएम मोदी, 30 हजार लोगों ने किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारतीय समुदाय को संबोधित करने से पहले मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में 30,000 से अधिक लोग जुट चुके हैं। यह ऑस्ट्रेलिया में किसी भी विश्व नेता के लिए आयोजित अब तक की सबसे बड़ी सभाओं में से एक मानी जा रही है। 'मेलबर्न मीट्स मोदी' नाम से आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय समुदाय का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। पूरा स्टेडियम 'मोदी, मोदी' और 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया और हर तरफ उत्साह का माहौल दिखाई दिया। मेलबर्न का प्रसिद्ध मार्वल स्टेडियम भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय की भारी मौजूदगी से पूरी तरह गुलजार नजर आया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगीत और देशभक्ति से ओत-प्रोत नारों ने माहौल को और भी ऊर्जावान बना दिया। हजारों लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंच पर आने का बेसब्री से इंतजार करते रहे।

भारतीय समुदाय ने पीएम मोदी को लेकर क्या कहा?

प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले भारतीय समुदाय के कई सदस्यों ने अपनी खुशी और उत्साह साझा किया। एक सदस्य ने कहा कि सचमुच, मेलबर्न के दिल में आज इतिहास बन रहा है। एक अन्य व्यक्ति ने कहा, 'मैं आज बेहद उत्साहित हूं और मोदी जी को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। 'मेलबर्न मीट्स मोदी' हमारे लिए बेहद खास अवसर है।' एक और अन्य सदस्य ने कहा, 'मैं नरेंद्र मोदी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। आज के आधुनिक और मजबूत भारत के निर्माण में उनका बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, जिनकी वजह से भारत आज नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है।'

पीएम मोदी का स्वागत कैसे हुआ?

इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेलबर्न पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बड़ी संख्या में लोग ठंड के मौसम की परवाह किए बिना उनका स्वागत करने पहुंचे। पूरे माहौल में 'भारत माता की जय' और 'मोदी, मोदी' के नारे लगातार गूंजते रहे।

पीएम मोदी को लेकर क्या बोले ऑस्ट्रेलियाई पीएम और पूर्व प्रधानमंत्री?

ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बानीज ने पीएम मोदी के संबोधन से पहले उनके आगमन पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस देश के सच्चे दोस्त हैं। अल्बानीज ने भारत यात्रा की यादों को साझा करते हुए कहा कि भारत में उनका भव्य स्वागत किया गया था। वे अहमदाबाद में मिले सम्मान को भुला नहीं सकते। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन कहते हैं, 'यह हमेशा से बहुत अहम रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और मेरे बीच बहुत अच्छे निजी और पेशेवर संबंध रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय प्रधानमंत्रियों के बीच संबंधों में करी और क्रिकेट को लेकर थोड़ी-बहुत हंसी-मजाक आम बात थी। लेकिन हम 'क्वाड' और इंडो-पैसिफिक में सकारात्मक भूमिका निभाने में इसकी अहमियत को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।' पश्चिम एशिया के संघर्ष और परमाणु सहयोग पर वे आगे कहते हैं, 'यह पहले से ही था। और यह पिछले दशक की शुरुआत में एबॉट सरकार के समय हुआ था, जब सिविल न्यूक्लियर पार्टनरशिप एग्रीमेंट लागू किया गया था।

पर पीएम मोदी ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय समुदाय के स्नेह और आत्मीय स्वागत की सराहना करते हुए इसे 'सचमुच अविस्मरणीय' बताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'मेलबर्न का मौसम भले ही ठंडा हो, लेकिन भारतीय समुदाय से मिला गर्मजोशी भरा स्वागत सचमुच अविस्मरणीय था। उनका स्नेह और भारत के साथ उनका अटूट जुड़ाव हमेशा मेरे लिए खुशी और गर्व का विषय रहा है।'

'बैकपैकर के रूप में भारत आया'

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनका भारत से जुड़ाव बहुत पुराना है। उन्होंने बताया कि 1991 में वह पहली बार एक बैकपैकर के रूप में भारत आए थे और छह सप्ताह तक देश के अलग-अलग हिस्सों की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया, लोगों की दिलचस्प कहानियां सुनीं और भारतीय परिवारों की मेहमाननवाजी का अनुभव किया। अल्बनीज ने कहा कि अगर किसी को भारत को सही मायने में समझना है, तो उसे ट्रेन में सफर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऑस्ट्रेलियाई अंदाज में स्वागत करना उनके लिए सम्मान की बात है।

ऑस्ट्रेलिया की तरक्की में भारतीय समुदाय का बड़ा योगदान

एंथनी अल्बनीज ने कहा कि भारतीय समुदाय की मेहनत और उदारता ऑस्ट्रेलिया की प्रगति में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय मूल के लोग हेल्थकेयर, आईटी और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से देश को मजबूत बना रहे हैं। इसके अलावा भारतीय उद्यमी छोटे कारोबारों को आगे बढ़ा रहे हैं और बड़ी संख्या में भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया आकर देश की शिक्षा व्यवस्था और अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह योगदान खास तौर पर शिक्षा के प्रमुख केंद्र माने जाने वाले विक्टोरिया राज्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

सीएम योगी ने बांदा को दी 701 करोड़ की सौगात

'बुंदेलखंड को बनाएंगे धरती का स्वर्ग'

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बांदा दौरे के दौरान करीब 701 करोड़ रुपये की लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। पंडित जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड को विकास, निवेश और रोजगार का मजबूत केंद्र बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र, स्वीकृति पत्र, आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा कार्ड, चेक, आवास की चाबियां और टूलकिट भी वितरित किए।

बुंदेलखंड बदल रहा है, बोले मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी पलायन, पानी की कमी और डकैतों की समस्या से जूझने वाला बुंदेलखंड आज तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से क्षेत्र में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज, कृषि विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं ने क्षेत्र की तस्वीर बदलने का काम किया है।

'शजर' पत्थर को मिली नई पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि बांदा का प्रसिद्ध शजर पत्थर 'एक जिला-एक उत्पाद' (ODOP) योजना के माध्यम से नई पहचान बना रहा है। इससे स्थानीय कारीगरों और व्यापारियों को भी लाभ मिल रहा है।

बीडा से मिलेगा औद्योगिक विकास को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (BIDA) क्षेत्र में उद्योगों और निवेश को बढ़ावा देगा। इसके माध्यम से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय युवाओं को अपने क्षेत्र में ही बेहतर संभावनाएं मिलेंगी।

विपक्ष पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि वर्ष 2017 के बाद सरकार ने अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलाकर करीब 64 हजार एकड़ सरकारी जमीन मुक्त कराई, जिसका उपयोग अब विकास कार्यों और निवेश के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में युवाओं को रोजगार देने के बजाय अपराध की ओर धकेला गया, जबकि वर्तमान सरकार उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है।

विरासत और विकास दोनों पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण पर भी समान रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, मां विंध्यवासिनी धाम और चित्रकूट में चल रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की सांस्कृतिक धरोहरों को नई पहचान दी जा रही है। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत भगवान श्रीराम, हनुमान जी, कामतानाथ, मंदाकिनी, माता अनुसूया, महर्षि वाल्मीकि और बांके बिहारी को नमन करते हुए की। बांदा पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने कालू कुआं चौराहे पर वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने किया विरोध

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान पंडित जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज मैदान के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काली झंडियां दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर स्थिति को नियंत्रित किया।

सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड और भ्रमण मार्ग पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई। पुलिस, पीएसी और खुफिया एजेंसियों के साथ ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए कई मार्गों पर डायवर्जन भी लागू किया गया। मुख्यमंत्री बुधवार रात चित्रकूट में प्रवास के बाद गुरुवार सुबह कामदगिरि की परिक्रमा और मंदिर दर्शन कर हेलीकॉप्टर से बांदा पहुंचे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह राजकीय हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

इन प्रमुख परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण और शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने जिन प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया, उनमें झांसी-मानिकपुर रेलखंड पर चार लेन पुल का निर्माण, बड़ोखर खुर्द सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पब्लिक हेल्थ यूनिट, नवाब टैंक का पर्यटन विकास, म्यूजिकल फाउंटेन एवं बोटिंग सुविधा, आईटीआई बांदा में नए कक्षों का निर्माण, बहराइच-बांदा मार्ग पर लघु सेतु का चौड़ीकरण तथा कान्हा गोशाला का निर्माण शामिल है।

जनता जनार्दन को जाता है श्रेय

आगे कहा कि मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उम्मीद जगी। क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ी, पेयजल भी मिला। बांदा के नौजवानों को आज रोजगार मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार ने सपनों को पूरा किया है। इसका श्रेय जनता जनार्दन को जाता है।

खरगे का मोदी सरकार पर हमला

गलवान के बाद चीन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कब्जा, आत्मनिर्भर भारत फेल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि गलवान घाटी की घटना के बाद केंद्र सरकार ने चीन के प्रति नरम रुख अपनाया, जिसके कारण कई महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत की चीन पर निर्भरता बढ़ी है तथा राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट कर यह भी दावा किया कि वर्ष 2020 में हुई गलवान की घटना के बाद वर्ष 2025-26 तक चीन से भारत का आयात 101.81 प्रतिशत बढ़ गया और दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा बढ़कर 112.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया। उन्होंने आरोप लगाया, "छह वर्ष पहले गलवान में 20 भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन को 'क्लीन चिट' दे दी थी।

भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, लेकिन केंद्र सरकार ने भारत के हितों के समक्ष चीन के प्रति नरम रुख अपनाया।" खरगे ने कहा कि भारत के एंटीबायोटिक आयात का 86 प्रतिशत हिस्सा चीन से आता है। उनके अनुसार, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में भारत के 66 प्रतिशत पुर्जों का आयात चीन से होता है, जबकि भारतीय ईवी में इस्तेमाल होने वाली लगभग 75 प्रतिशत लिथियम-आयन बैटरियां आयातित हैं और इनमें अधिकतर चीन से आती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत की निर्भरता चीन पर बनी हुई है।

देशभर में बारिश का कहर महाराष्ट्र-गुजरात में बाढ़ जैसे हालात, एमपी में गिरी 5 मंजिला इमारत

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। नदियां उफान पर हैं, सड़कें जलमग्न हो गई हैं और कई स्थानों पर यातायात पूरी तरह बाधित है। महाराष्ट्र के नासिक, मुंबई और पुणे में सबसे ज्यादा असर देखने को मिल रहा है। नासिक में गोदावरी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। त्र्यंबकेश्वर क्षेत्र में दो गांवों को जोड़ने वाला पुल और सड़क तेज बहाव में बह गए हैं। यह मार्ग प्रसिद्ध त्र्यंबकेश्वर मंदिर की परिक्रमा का हिस्सा भी था। सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने श्रद्धालुओं की एंट्री अगले दो दिनों के लिए रोक दी है।

सांचा नहीं पूरा ढांचा बदलना होगा : अखिलेश

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरूवार को ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, गौसंरक्षण, सनातन धर्म और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा। वहीं शंकराचार्य ने भी गौमाता के संरक्षण और राम मंदिर से जुड़े घटनाक्रम पर चिंता जताई। अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें पूज्य शंकराचार्य के दर्शन और आशीर्वाद का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बताया कि दोनों के बीच सनातन पर आए संकट और धर्म को अधर्मियों के चंगुल से मुक्त कराने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य गौमाता की स्थिति को लेकर बेहद चिंतित हैं, गौसंरक्षण पर गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है। राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा सरकार को निशाने पर लिया। अखिलेश ने कहा कि मंदिर परिसर में जिन कर्मचारियों को कम भुगतान हुआ था, उन सभी के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) की जांच कराई जानी चाहिए। उनका दावा था कि 99। 9 प्रतिशत लोग भाजपाई निकलेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं के खिलाफ लगातार मुकदमे दर्ज किए जाते हैं, लेकिन विपक्ष की शिकायतों पर एफआईआर तक दर्ज नहीं होती।

एसआईटी जांच पर भी उठाए सवाल

राम मंदिर प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी पर सवाल उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पूरी जांच केवल लीपापोती है। उन्होंने दावा किया कि एसआईटी की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं और उसके एक सदस्य पर धोखाधड़ी का मामला होने की चर्चा है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को 'दिल्ली और लखनऊ की लड़ाई' बताया।

'भाजपा के लिए धर्म नहीं, धन प्राथमिकता'

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने राजनीतिक हितों के अनुसार विचार बदलती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए धर्म नहीं बल्कि धन प्राथमिकता है। उनके अनुसार, राम मंदिर प्रकरण में 'महापाप' हुआ है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसी राजनीतिक परंपरा बना रही है जिसमें विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाया जाता है, यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है और भविष्य में भाजपा भी विपक्ष में होगी।

प्रशांत किशोर का बांकीपुर से चुनावी रण, बीजेपी के गढ़ में होगा सियासी धमाका

नई दिल्ली, एजेंसी। जन सुराज पार्टी के संस्थापक और पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को राज्य में BJP सरकार के लिए एक जनमत संग्रह बताया। वहीं, भाजपा ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि राज्य में 2025 के पिछले विधानसभा चुनावों में प्रशांत किशोर की पोल खुल चुकी थी और वे अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए थे। इस बीच, पश्चिम बंगाल के आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने JSP उम्मीदवार प्रशांत किशोर का समर्थन करते हुए उनकी उम्मीदवारी को राजनीतिक धमाका करार दिया। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव 30 जुलाई को होना है और नतीजे 3 अगस्त को आएंगे। बांकीपुर विधानसभा सीट तब खाली हुई थी जब बीजेपी के नितिन नवीन, जिन्होंने 2025 का विधानसभा चुनाव जीता था।

आम आदमी कितना लाचार होगा? दिल्ली में आग और अवैध कब्जों पर एक्शन न लेने वाली एमसीडी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में अवैध निर्माण और आग की घटनाओं पर जताई सख्त नाराजगी जताई है। अदालत ने मालवीय नगर की आग का हवाला देते हुए नगर निगम के रवैये पर कड़ी नाराज़गी जताई है। विशेष रूप से लाजपत नगर और सरोजिनी नगर में कथित अवैध निर्माणों पर चिंता व्यक्त जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को लाजपत नगर और सरोजिनी नगर का सर्वे कराने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि आग की घटनाओं के बाद केवल बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि वह एमसीडी के रवैये से विशेष रूप से परेशान है। अदालत ने टिप्पणी की कि प्रशासन केवल दिखावे के लिए बिल्डरों पर कार्रवाई कर रहा है, जबकि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि दक्षिण दिल्ली के संबंधित अदालत ने यह भी चेतावनी दी कि यदि जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो अवमानना की कार्यवाही शुरू की जा सकती है।

कोर्ट के कहा कि इस लापरवाही के चलते दिल्ली में कभी बिल्डिंग गिरती है तो कभी मालवीय नगर में आग लगने जैसी घटनाएं सामने आती है। SC ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अगर कोर्ट के आदेश के बाद भी अधिकारी कार्रवाई नहीं करते तो आम लोग कितने असहाय होंगे! अब अब हम अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे। SC ने IIT की टीम के गठन करने को कहा है कि जो एमसीडी के अधिकारियों के साथ मिलकर साकेत, लाजपत नगर और सरोजनी नगर का निरीक्षण करेगी। कोर्ट को रिपोर्ट देगी।

अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध निर्माण

सुप्रीम कोर्ट ने देश के विभिन्न हिस्सों में अधिकारियों की मिलीभगत के चलते हो रहे अवैध निर्माण पर नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने खासतौर पर और दिल्ली में अवैध निर्माण को लेकर एमसीडी के लचर रवैये पर फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 20 मई के आदेश में हमने दिल्ली के लाजपत नगर, सरोजनी नगर इलाके में अवैध निर्माण को लेकर कार्रवाई करने को कहा था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। सिर्फ नोटिस भेजकर औपचारिकता पूरी कर ली गई।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

इस्तीफे के बाद भी चंपत राय का प्रभाव, इन दो करीबियों को मिली ट्रस्ट के बैंक खातों की कमान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में चंपत राय का इस्तीफा भले ही स्वीकार कर लिया गया हो और ट्रस्ट से उनका औपचारिक नाता टूट चुका हो, लेकिन मंदिर प्रबंधन में उनका प्रभाव अभी भी कायम नजर आ रहा है। अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन के साथ ट्रस्ट के बैंक खातों के संचालन की जिम्मेदारी चंपत राय के दो विश्वस्त करीबियों को सौंप दी गई है। 6 जुलाई को चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार होने के बाद कृष्ण मोहन को अंतरिम महासचिव बनाया गया। नए महासचिव की नियुक्ति तक वे ट्रस्ट का पूरा काम देखेंगे। खातों के संचालन में उनकी सहायता के लिए सीए चंदन राय और इंजीनियर जगदीश आफले को लगाया गया है। ट्रस्ट के विभिन्न बैंकों में कई खाते होने के कारण यह जिम्मेदारी दी गई है।

चंपत राय के करीबियों की व्यवस्था में भूमिका बरकरार

चंदन राय लंबे समय से ट्रस्ट से जुड़े हुए हैं और चंपत राय के माध्यम से ही ऑडिट व अन्य काम देखते आए हैं। इंजीनियर जगदीश आफले महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। वे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के समय अयोध्या आए थे और उसके बाद यहीं रह गए। चंपत राय के सहयोगी के रूप में वे मंदिर प्रबंधन के विभिन्न कार्यों में सक्रिय रहे। हालांकि, चंपत राय अब ट्रस्ट से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनके करीबी अभी भी व्यवस्था में अपनी भूमिका बनाए हुए हैं। चंपत राय ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसे अब स्वीकार भी कर लिया गया है। उन्होंने इस मामले में अब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) के सामने हिंदी में दिए गए अपने एक पेज के लिखित बयान में राय ने आरोप लगाया कि बैंक के नियमों का उल्लंघन तो हुआ, लेकिन कभी भी इस पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि देश के सभी बैंकों में चेस्ट रूम से जुड़े कड़े नियम होते हैं, जैसे अंदर जाते और बाहर निकलते समय तलाशी लेना और बिना जेब वाली यूनिफॉर्म पहनना। राय ने कहा, "बैंक ने इसे लागू नहीं किया और गाइडलाइन लेटर में लिखे होने के बावजूद इसे अमल में नहीं लाया गया। बैंक ने शुरू में जो कपड़े दिए थे, उनमें जेबें थीं।" उन्होंने दावा किया कि बैंक ने चेस्ट रूम से जुड़े अपने ही नियमों को नजरअंदाज किया। उन्होंने बैंक के सीनियर अधिकारियों से यह बताने को कहा कि "इतनी ढील" कैसे बरती गई।

12 जुलाई से नगर में शुरू होगा एक पेड़ मां के नाम महाअभियान, लगाए जाएंगे 13,500 पौधे

सुल्तानपुर। नगर पालिका परिषद सुल्तानपुर में 12 जुलाई से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान-2026 के तहत वृहद पौधरोपण अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत नगर क्षेत्र के 28 चिन्हित स्थलों पर लगभग 13,500 फलदार, फूलदार एवं औषधीय पौधे लगाए जाएंगे।

इस संबंध में गुरुवार को नगर पालिका परिषद के सभाकक्ष में पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभासदों, अधिशासी अधिकारी, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने बताया कि शहर के प्रमुख मार्गों, डिवाइडरों, पटरियों तथा विभिन्न वार्डों में रिक्त स्थलों का चिन्हांकन कर लिया गया है।

सत्ता का नशा में उड़ाई कानून की धज्जियाँ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नगर कोतवाली की शाहगंज पुलिस चौकी में भाजपा नेत्री पूजा कसौधन का एक व्यक्ति को पुलिस की मौजूदगी में थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में चौकी प्रभारी मूकदर्शक बने दिखाई दे रहे हैं। थप्पड़ मारने के बाद कथित तौर पर भाजपा नेत्री यह कहते हुए भी सुनाई दे रही हैं कि अब तुम अपनी औकात भूल जाओगे।

यदि वायरल वीडियो सही है तो सवाल केवल एक थप्पड़ का नहीं बल्कि कानून के सम्मान का है। क्या किसी राजनीतिक पद या प्रभाव के दम पर पुलिस चौकी के भीतर ही किसी के साथ अभद्रता और मारपीट की जा सकती है? और यदि ऐसा हुआ तो पुलिस की भूमिका केवल तमाशबीन बनने की क्यों रही। बताया जाता है कि संबंधित भाजपा नेत्री पहले भी कई विवादों को लेकर चर्चा में रही हैं। ऐसे में यह घटना और भी गंभीर सवाल खड़े करती है। पुलिस कप्तान ने मामले को संज्ञान में लेते हुए भाजपा नेत्री पूजा कसौधन पर मुकदमा पंजीकृत करने का आदेश कर दिया और चौकी इंचार्ज पर विभागीय जांच के आदेश दिया।

गोरखपुर में मां-बेटे के सामने दुकानदार की चाकू घोंपकर हत्या, पांच साल जमीन को लेकर चल रहा था विवाद

आर्यावर्त संवाददाता

सरहरी, (गोरखपुर)। ट्रैक्टर खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में बुधवार की रात धारदार हथियार से हमला कर मां-बेटे के सामने किराना दुकानदार चाकू घोंपकर हत्या कर दी। यह घटना गुलरिहा थाना क्षेत्र की गिरमिट चौराहे की है। मौके पर एसपी सिटी निमिष पाटील, सीओ गोरखनाथ रवि सिंह ने जांच की। पुलिस ने बेटे की तहरीर पर पांच नामजद सहित 12 पर केस दर्ज कराया है। पुलिस ने मुख्य आरोपित समेत पांच को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

गिरमिट चौराहा निवासी अमरनाथ गुप्ता काफी समय से नेवासा पर रहकर किराने की दुकान चलाते थे। परिवार में मां जानकी देवी, पत्नी गुजराती देवी, दो बेटे ऋषिकेश गुप्ता, शिवम गुप्ता और बेटी प्रिया गुप्ता हैं।

बगल में टिकरियां गांव निवासी अवधेश चौहान उर्फ गब्बर चौहान की जमीन थी, जिसे लेकर दोनों में पांच वर्ष से विवाद चल रहा था। न्यायालय में मुकदमा भी विचाराधीन है। अमरनाथ ने 27 मई को एसडीएम सदर न्यायालय में स्थगन आदेश के लिए प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर 16 जुलाई 2026 तक स्थगन आदेश मिला था।

आरोप है कि सोमवार को विपक्षी पक्ष जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा था। इसकी सूचना अमरनाथ ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की थी। बुधवार को भी पुलिस ने विवादित स्थल का निरीक्षण किया था। शाम को अमरनाथ ने अपनी जमीन के सामने ट्रैक्टर खड़ा किया था। इसी बात को लेकर विपक्षी पक्ष से कहासुनी शुरू हो गई। इस दौरान परिवार के लोग मौजूद थे।

विवाद बढ़ने पर अवधेश चौहान उर्फ गब्बर चौहान ने चाकू से अमरनाथ के सीने पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उस समय अमरनाथ की मां जानकी देवी मौके पर ही थीं। उन्होंने विवाद रोकने की कोशिश की। परिजन आनन-फानन में उन्हें बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ रवि सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष से तहरीर के आधार मुख्य आरोपित अवधेश चौहान सहित मुग्गन कुमार चौहान, सूरज चौहान, भाने चौहान, शैलेश जायसवाल व सात अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कराया है। पांच को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

'तुम्हारे खाते से उड़ा लिए हैं 2 .80 लाख, जाओ अब 1930 पर कर दो शिकायत'

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। गोविंदनगर में साइबर ठगी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। ठग ने पहले बैंक खाते से 2.80 लाख रुपये पार कर दिए। इसके बाद खुद ही पीड़ित को फोन करके इसकी जानकारी दी। 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करने की सलाह भी दी। गोविंद नगर थाना प्रभारी अशोक दुबे ने बताया कि मुकदमा दर्ज करके साइबर सेल की मदद से ठग के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

डेरी संचालक ज्ञानू सिंह का खाता इंडसइंड बैंक की गोविंदनगर शाखा में है। उन्होंने बताया कि 22 जून को टीडीएस की रकम 2.36 लाख रुपये खाते में ट्रांसफर हुई थी। रकम खाते में आते ही अलग-अलग नंबरों से वाट्सएप काल और मैसेज आने शुरू हो गए। किसी अनहोनी की आशंका पर बैंक से संपर्क किया तो बैंक अधिकारियों ने ओटीपी और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी से भी साझा न करने की सलाह दी।

उन्होंने इसका पालन भी किया, लेकिन 25 जून को दोपहर दो बजे बैंक खाते से 2.80 लाख रुपये निकल गए। शाम चार बजे एक अनजान नंबर से फोन काल आया। कालर ने कहा कि उसने उनके खाते से रुपये पार कर दिए हैं। वह 1930 हेल्पलाइन पर इसकी शिकायत दर्ज करा दें।

बोला, मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता, इसलिए खुद ही शिकायत करने के लिए कह रहा हूं। इसके बाद बैंक मैनेजर से संपर्क जानकारी की तो पता चला कि उनके खाते से 2.80 लाख रुपये ट्रांसफर हुए हैं।

जीआरपी में कानून की चौखट पर वसूली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जीआरपी की कार्यशैली इन दिनों सवालों के घेरे में है। हालात ऐसे बताए जा रहे हैं कि सुरक्षा व्यवस्था से ज्यादा चर्चाएँ वसूली, दबंगई और अनुशासनहीनता की हो रही हैं। आरोप है कि पश्चिम से आए कुछ सिपाहियों ने जीआरपी की छवि को धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह सब बिना विभागीय संरक्षण के संभव है। चर्चा है कि जीआरपी प्रभारी भोलाशंकर का इन पर पूरा संरक्षण प्राप्त है। आखिर हो भी क्यों न? स्टेशन के बाहर टेम्पो स्टैंड, वेंडरों और कथित टिकट दलालों से होने वाली कथित वसूली का खेल यदि सच है तो फिर संरक्षण की कहानी भी लोगों की जुबान पर होना स्वाभाविक है। आरोप है कि इस पूरे नेटवर्क की कमान सिपाही योगेश कुमार यादव के हाथों में है। बताया जाता है कि बिना वर्दी के चलने वाला यह सिपाही दो वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के साथ ऐसे घूमता है मानो उसे व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए सरकारी एस्कॉर्ट उपलब्ध कराया गया हो। सवाल यह है कि आखिर यह विशेष रुतबा किस आधार पर। यदि सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे दृश्य वास्तविक हैं तो तस्वीर और भी चिंताजनक है। आरोप है कि एक व्यक्ति को जानवरों की तरह बेरहमी से पीटा जा रहा है। ऐसे दृश्य न केवल पुलिस की छवि पर दाग लगाते हैं बल्कि आम नागरिक के मन में कानून के प्रति भरोसा भी कमजोर करते हैं। स्टेशन परिसर में दहशत का माहौल होने की भी चर्चा है। लोग शिकायत करने से बचते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि कार्रवाई की जगह शिकायतकर्ता ही मुश्किल में पड़ सकता है।

दूसरी ओर गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय गौरव के अवसर पर भी अनुशासन तार-तार होता दिखाई देता है। आरोप है कि सलामी समारोह के दौरान सिपाही नितिन कुमार मलिक का आचरण वर्दी की गरिमा और तिरंगे के सम्मान के अनुरूप नहीं था। यदि यह आरोप सही हैं तो यह केवल अनुशासनहीनता नहीं बल्कि उस वर्दी की मर्यादा पर भी प्रश्नचिह्न है जिसकी शपथ देश की सेवा के लिए ली जाती है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सुल्तानपुर जीआरपी में कानून का राज है या कुछ लोगों की मनमानी का। क्या रेलवे स्टेशन सुरक्षा का केंद्र है या कथित वसूली और दबंगई का अड्डा? यदि लगाए जा रहे आरोपों और सीसीटीवी फुटेज में दम है तो संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर सच्चाई जनता के सामने लानी चाहिए।

आज सुलतानपुर दौरे पर रहेंगे मंडलायुक्त अयोध्या

सुल्तानपुर। अयोध्या मंडल के मंडलायुक्त शुक्रवार, 10 जुलाई 2026 को सुलतानपुर जनपद के दौरे पर रहेंगे। दौरे के दौरान वह विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक करने के साथ-साथ करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर जमीनी हकीकत परखेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंडलायुक्त सबसे पहले राजकीय इंटर कॉलेज, सुलतानपुर परिसर में लगभग 4.92 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे मिनी स्टेडियम का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद नगर पालिका परिषद क्षेत्र में जोनल कार्यालय के पीछे प्रस्तावित लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत वाले शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं पार्किंग निर्माण कार्य का जायजा लेंगे। इसके उपरांत मंडलायुक्त वृक्षारोपण, पौध संरक्षण, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड सहित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा अधिकारियों के साथ करेंगे। इसके अलावा कलेक्ट्रेट सभागार में आपदा राहत एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें लंबित मामलों, विकास कार्यों की प्रगति और विभागीय कार्यों की विस्तार से समीक्षा की जाएगी।

मेरठ में बारिश जारी, इसे लेकर क्या है IMD का पूर्वानुमान? जलभराव व बिजली गुल होने से बढ़ी परेशानी

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। बुधवार को शुरू हुई बरसात गुरुवार को भी जारी है। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है, लेकनि लगातार बरसात से जनजीवन प्रभावित हुआ है। सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गुरुवार सुबह से दोपहर 12 बजे तक 41 मिलीमीटर बरसात रकिार्ड की गई। इससे पहले 104 मिमी बरसात पिछले 24 घंटे में हुई थी। स्मार्ट सिटी के कागजी दावों, अनियोजित विकास और आधी-अधूरी नाला सफाई के चलते बुधवार की सुबह महज आधे घंटे की बरसात में कई इलाके जलमग्न हो गए। गुरुवार को यह स्थिति और खराब हो गई है। कई जगह बजिली गुल होने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट प्लान के तहत हर समस्या का समाधान करने का दम भरने वाले प्रशासनिक अफसर, जिम्मेदार विभागों की स्मार्ट योजनाएं नाले के गंदे पानी में तैरती नजर आईं। बच्चा पार्क, हापुड़ रोड और दिल्ली रोड जैसी शहर की लाइफ लाइन कही जाने वाली सड़कों पर भारी जलभराव ने न सिर्फ यातायात को ठप कर दिया बल्कि घरों और दुकानों में पानी घुस गया। लोग घरों में कैद हो गए।

सुनियोजित विकास के दावे करने वाला मेरठ विकास प्राधिकरण, नगर निगम के कार्यालय और कलक्ट्रेट में भी पानी घुस गया। घुटनों तक पानी से लबालब सड़कों पर वाहन तैरते नजर आए। हद तो तब हो गई जब आपात स्थिति से निपटने और त्वरित जल निकासी के बड़े-बड़े दावे करने वाले नगर निगम के अधिकारी बरसात के दौरान पंप सेट तक के इंतजाम नहीं कर सके।

नारकीय हालातों में स्कूली बच्चे स्कूल, कामकाजी लोग अपने कार्यालय जाने को मजबूर हुए तो मुहल्लों में दूधवाले, सब्जी बेचने वाले का पहुंचना मुश्किल रहा। हजारों परिवार जलभराव से न केवल घिरे बल्कि कैद हो गए हैं। जलभराव से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

आगामी 10 जुलाई तक होती रहेगी बरसात

सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. यूपी शाही ने बताया कि आगामी 10 जुलाई तक रूक-रूककर बरसात होती रहेगी। इसके बाद तीन से चार दिन तक मौसम साफ रहने की उम्मीद है। कुछ स्थानों पर तेज बारिश के साथ तेज हवा भी चलने की उम्मीद है। बारिश सिर्फ तापमान कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर पर्यावरण और कृषि पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अच्छी बारिश से भूजल स्तर में सुधार, तालाबों और जलाशयों में जलभराव होगा। धूल और प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी।

किसानों के लिए लाभदायक है बरसात : राजीव सिंह

जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि यह बरसात किसानों के लिए लाभदायक है। खरीफ की फसल के लिए बेहद लाभदायक है। धान, मक्का, बाजरा, ईख की फसलों के लिए यह बरसात सोने की तरह है। खेतों में नमी रहेगी और फसल की पैदावार अच्छी होगी।

विधवा महिला ने बेटे को झूठे मुकदमे में फँसाने और जान से मारने की धमकी का लगाया आरोप

सुल्तानपुर। लंभुआ थाना क्षेत्र के ग्राम मठिया निवासी एक विधवा महिला ने अपने बड़े पुत्र एवं उसके सहयोगियों पर मारपीट, फायरिंग, जान से मारने की धमकी तथा छोटे पुत्र को झूठे मुकदमों में फँसाने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए थाना लंभुआ में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार ग्राम मठिया निवासी चमेला देवी पत्नी स्वर्गीय अच्छेलाल गिरि ने बताया कि पति के निधन के बाद उनका छोटा पुत्र सूरज उनका भरण-पोषण कर रहा है, जबकि बड़े पुत्र हरिबलास ने कभी सहयोग नहीं किया। महिला का आरोप है कि उन्होंने अपनी पैतृक भूमि का बंटवारा अपनी इच्छा से किया था, जिससे नाराज होकर हरिबलास तथा गौतम का पुरवा निवासी शैलेन्द्र बहादुर सिंह उनके छोटे पुत्र को झूठे मुकदमों में फँसाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। महिला ने आरोप लगाया कि 5 जुलाई 2026 की रात करीब 10 बजे हरिबलास, शैलेन्द्र बहादुर सिंह और उनके अन्य साथी घर पहुंचे।

'मेरे पति को आंखों के सामने गोलियों से भूना, अब मुझे भी...', बरेली में महिला टीचर ने एसएसपी से मांगी सुरक्षा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में पति की हत्या के मामले में अदालत में गवाही देने वाली बरेली की शिक्षिका संगीता गंगवार ने अपनी जान को खतरा बताते हुए एसएसपी से सुरक्षा की मांग की है। बुधवार को उन्होंने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर कहा कि जिन लोगों पर उनके पति की हत्या का आरोप है, उनमें से कई आरोपी अब जेल से बाहर आ चुके हैं। उनका कहना है कि आरोपी उन्हें लगातार धमकियां दे रहे हैं और मुकदमे को कमजोर करने के लिए उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं। शिक्षिका ने पुलिस से जल्द सुरक्षा देने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

संगीता गंगवार ने बताया कि उन्होंने अपने पति पुष्पेंद्र गंगवार की हत्या अपनी आंखों के सामने होते देखी थी। उनके अनुसार दिनदहाड़े बीच चौराहे पर उनके पति को गोलियां मारकर मौत के घाट उतार दिया गया था। वह इस मामले की प्रत्यक्षदर्शी गवाह हैं और अदालत में अपनी गवाही भी दे चुकी हैं। उनका कहना है कि अब वही गवाही उनके लिए खतरे की वजह बन गई है।

शिक्षिका ने बताया कि उनके परिवार पर कई सालों से लगातार हमले हो रहे हैं। वर्ष 2021 में उनके देवर की भी दिनदहाड़े सड़क पर हत्या कर दी गई थी। उस घटना के कुछ समय बाद वर्ष 2024 में उनके पति की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनका आरोप है कि दोनों घटनाओं के पीछे एक ही पक्ष के लोग हैं और अब उन्हें भी रास्ते से हटाने की कोशिश की जा रही है।

पहले से बना ली थी प्लानिंग

संगीता का आरोप है कि पति की हत्या पहले से बनाई गई योजना का हिस्सा थी। उनका कहना है कि मुख्य आरोपी पूरन लाल ने वारदात से पहले एक अन्य मामले में खुद को जेल भेज दिया था ताकि उस पर किसी को शक न हो। आरोप है कि जेल में रहते हुए उसने अपने साथियों के जरिए पूरी साजिश तैयार कराई और फिर हत्या को अंजाम दिलाया गया। महिला ने बताया कि उनके पति की हत्या के मुकदमे में कुल 15 लोगों को नामजद किया गया है। इनमें से कुछ आरोपी अब जमानत पर जेल से बाहर आ चुके हैं। उनका कहना है कि आरोपी खुलेआम कह रहे हैं कि उन्हें फिर जेल जाना ही है, इसलिए उससे पहले उन्हें खत्म कर दिया जाए, ताकि मुकदमे की पैरवी करने वाला कोई न बचे।

इसलिए बढ़ गया है डर

संगीता गंगवार का कहना है कि पति की हत्या का मुकदमा अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और जल्द अदालत का फैसला आने की उम्मीद है। उनके अनुसार इसी वजह से आरोपी घबराए हुए हैं और उन्हें डर है कि अगर वह जिंदा रहीं तो अदालत में सच सामने आएगा। इसी कारण उन्हें लगातार धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में जमानत पर छूटे संतोष समेत कई लोग उनकी हत्या की योजना बना रहे हैं। प्रार्थना पत्र में उन्होंने पूरन लाल, संतोष, गुड्डू, प्रेम, दुर्वेश, सुरेंद्र, महेंद्र उर्फ कान्हा के भाई महेश कुमार, राकेश, रमेश, वीरेश, यशपाल, गजनहेरा निवासी सोमपाल और मुरारपुर के कोटेदार रामप्रकाश सहित कई लोगों के नाम लिखकर कार्रवाई की मांग की है।

कोई भी गवाही देने को तैयार नहीं

शिक्षिका का आरोप है कि उनके पास इस पूरी साजिश से जुड़े कुछ अहम सबूत भी मौजूद हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों से वह उन्हें सार्वजनिक नहीं कर सकतीं। जरूरत पड़ने पर वह सभी सबूत पुलिस और जांच एजेंसियों को देने के लिए तैयार हैं। उनका यह भी कहना है कि इलाके में आरोपियों का इतना खौफ है कि कोई व्यक्ति खुलकर उनके खिलाफ बोलने या गवाही देने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है।

संगीता गंगवार ने एसएसपी अनुराग आर्य से खुद और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं और किसी भी समय उनके साथ कोई बड़ी घटना हो सकती है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की गतिविधियों की निगरानी करने, धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और उन्हें सुरक्षा देने गुहार लगाई है।

पुलिस चौकी में थप्पड़कांड से गरमाई सियासत, कांग्रेस ने उठाए कानून-व्यवस्था पर सवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नगर कोतवाली की शाहगंज पुलिस चौकी में भाजपा नेत्री पूजा कसौधन द्वारा पुलिस की मौजूदगी में एक व्यक्ति को थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा सरकार और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून का नहीं, बल्कि सत्ता के संरक्षण में पल रही गुंडागर्दी का राज कायम हो गया है। यदि पुलिस चौकी के भीतर, पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में एक व्यक्ति को थप्पड़ मारा जाता है और पुलिस तमाशबीन बनी रहती है, तो यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं बल्कि पूरे कानून और संविधान का सार्वजनिक अपमान है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को आखिर यह अधिकार किसने दिया कि वे पुलिस चौकी को अपनी निजी जागीर समझकर कानून हाथ में लें, यदि यही घटना किसी आम नागरिक या विपक्षी दल के कार्यकर्ता द्वारा की गई होती, तो अब तक उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी हो चुकी होती। लेकिन सत्ता से जुड़े लोगों पर प्रशासन की चुप्पी साफ बताती है कि भाजपा नेताओं को कानून से ऊपर समझा जा रहा है। वहीं राणा ने कहा कि कांग्रेस इस तरह की सत्ता समर्थित दबंगई को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। यदि दोषियों के खिलाफ तत्काल निष्पक्ष मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से सड़क से लेकर हर संवैधानिक मंच तक संघर्ष करेगी।

श्रावस्ती में 'संध्या संवाद' से दूर हुई रिटायर कर्मियों की समस्या, खातों में ट्रांसफर किए गए 89.41 लाख से ज्यादा का जीपीएफ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जनसमस्याओं के समयबद्ध समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ₹सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास₹ के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए शासन स्तर पर लगातार ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे आम नागरिकों के साथ-साथ कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कार्मिकों की समस्याओं का भी त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके। इसी कड़ी में देवीपाटन मंडल में मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने 'संध्या संवाद' कार्यक्रम के जरिये लोगों की समस्याओं का समाधान कराया।

ग्राम पंचायत टेण्डवा महन्थ से हुई थी कार्यक्रम की शुरुआत

योगी सरकार ने मंडल में संध्या संवाद कार्यक्रम की शुरुआत श्रावस्ती जिले की ग्राम पंचायत टेण्डवा महन्थ से की थी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुना गया, उनका तत्काल समाधान कराया गया तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया गया। संध्या संवाद कार्यक्रम धीरे-धीरे प्रशासन और आमजन के बीच भरोसे का मजबूत माध्यम बनता जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी की निर्देशों के तहत शीघ्र की गई कार्यवाही

देवीपाटन मंडल के श्रावस्ती में आयोजित संध्या संवाद कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम सामने आए, जहां सेवानिवृत्त कर्मचारियों के जीपीएफ एवं अन्य सेवा संबंधी देयों का भुगतान कराया गया। इस पहल के तहत कुल 89 लाख 41 हजार 612 रुपये की जीपीएफ धनराशि संबंधित कर्मचारियों के खातों में पहुंचाई गई। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के चेहरे भुगतान मिलने के बाद खुशी से खिल उठे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार अधिकारियों को निर्देश देते रहे हैं कि जनशिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न बनकर संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ किया जाए। उनकी प्राथमिकता है कि आम जनता से लेकर कर्मचारियों तक किसी भी व्यक्ति को अपने वैधानिक अधिकारों के लिए भटकना न पड़े। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए मंडल में संध्या संवाद कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से प्रशासन सीधे लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है।

कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके सेवा संबंधी देयों का भुगतान कराया गया

₹संध्या संवाद₹ कार्यक्रम में कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने शिकायत रखी कि उनका जीपीएफ तथा अन्य सेवा संबंधी भुगतान लंबित है। इस पर मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके बाद जिलाधिकारी श्रावस्ती अन्नपूर्णा गर्ग ने संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया। जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक औपचारिकताएं तेजी से पूरी कराईं। परिणामस्वरूप जीपीएफ भुगतान का सफलतापूर्वक निस्तारण हो सका। सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रकाश नारायण पाठक, राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय, सुनील श्रीवास्तव, प्रेम नारायण वर्मा, कौशल्या देवी, अवधेश कुमार तथा भगवान दीन वर्मा सहित अन्य पात्र कर्मचारियों को उनके सेवा संबंधी देयों का भुगतान कराया गया। सभी लाभार्थियों को मिलाकर कुल 89 लाख 41 हजार 612 रुपये की धनराशि वितरित की गई।

संक्षेप

एयरफोर्स तिराहे के पास सड़क हादसे में महिला की मौत, तीन घायल

लखनऊ। राजधानी के बीकेटी थाना क्षेत्र में एयरफोर्स तिराहे के निकट बुधवार देर रात हुए सड़क हादसे में 22 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कार को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है।पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई की रात करीब 10:40 बजे एयरफोर्स तिराहे के पास सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (यूपी34बीवाई6980) पर सवार 17 वर्षीय अमन कुमार गौतम, अरुण कश्यप की 22 वर्षीय पत्नी, उनका पांच माह का पुत्र तथा अमन की बहन सीतापुर से लखनऊ लौट रहे थे। इसी दौरान कट से मुड़ रही ऑल्टो कार (यूपी32आरएच2428) ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल राम सागर मिश्र 100 शैय्या चिकित्सालय, साढ़ामऊ पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने 22 वर्षीय महिला को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है।

मोहनलालगंज में विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पति पुलिस अभिरक्षा में

लखनऊ। राजधानी के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम खुजौली में 32 वर्षीय विवाहिता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी। मामले में मृतका के पति को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।पुलिस के अनुसार, गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि ग्राम खुजौली निवासी एक 32 वर्षीय विवाहिता ने अपने घर में फांसी लगा ली है। सूचना पर स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है तथा पोस्टमार्टम सहित अन्य आवश्यक विधिक प्रक्रिया जारी है।पुलिस के मुताबिक, मामले में मृतका के पति को पूछताछ के लिए पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। मृतका के परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।पुलिस का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, परिजनों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

किशोरी से छेड़छाड़, विरोध पर परिजनों से मारपीट और धमकी ; अलीगंज पुलिस ने आरोपी छात्र को किया गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज थाना क्षेत्र में 13 वर्षीय नाबालिग किशोरी से लगातार छेड़छाड़ करने, विरोध करने पर उसके परिजनों के साथ मारपीट करने, वाहन में तोड़फोड़ करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी इंटरमीडिएट का छात्र है।पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई को पीड़िता के पिता ने थाना अलीगंज में तहरीर देकर बताया कि उनकी 13 वर्षीय बेटी के साथ आरोपी चंचल सिंह लगातार छेड़छाड़ कर उसे परेशान कर रहा था। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उनके साथ मारपीट की, उनकी गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया और जान से मारने की धमकी दी।तहरीर के आधार पर थाना अलीगंज में भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 351(2), 324(4) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 11/12 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक अलीगंज ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की।पुलिस टीम ने साक्ष्य संकलित करने के साथ ही संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी चंचल सिंह (18 वर्ष) को 8 जुलाई की रात करीब 10:30 बजे गिरफ्तार कर लिया।

अलीगढ़ से राजेंद्र पाल गौतम ने शिक्षा और निजीकरण को लेकर भाजपा सरकार पर साधा निशाना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने अपने एक दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान अलीगढ़ में शिक्षा व्यवस्था, सरकारी स्कूलों के निजीकरण और रोजगार के मुद्दे पर केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा को कमजोर कर गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को अवसरों से दूर करने का काम कर रही है।राजेंद्र पाल गौतम मंगलवार सुबह दिल्ली से बुलंदशहर पहुंचे। रास्ते में लालकुआं (गाजियाबाद), दादरी, सिकंदराबाद और बुलंदशहर सहित विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। बुलंदशहर पहुंचने पर उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके बाद वह खुर्जा और खैर होते हुए अलीगढ़ पहुंचे, जहां अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय सर्किल के निकट आयोजित प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टीईटी उत्तीर्ण शिक्षक सरकारी विद्यालयों में पढ़ाते हैं, जबकि निजी विद्यालयों में ऐसे शिक्षक भी पढ़ाते हैं जिन्होंने टीईटी उत्तीर्ण नहीं की। इसके बावजूद सरकारी विद्यालयों में छात्रों की संख्या लगातार घट रही है, जो सरकार की शिक्षा नीति पर गंभीर सवाल खड़े करती है।उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, मौलाना अबुल कलाम आजाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस सरकारों ने गरीब, दलित और पिछड़े वर्गों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए छात्रवृत्ति और अन्य योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया।

पत्नी के मायके में रहने से नाराज जीजा ने साले पर बरसाईं गोलियां, कैसरबाग पुलिस ने कुछ ही घंटों में दबोचा आरोपी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के कैसरबाग क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जब पत्नी के मायके में रहने से नाराज एक व्यक्ति ने अपने साले को जान से मारने की नीयत से उसके घर में घुसकर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगने से साला गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के कुछ ही घंटों के भीतर कैसरबाग पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त रिवॉल्वर, कारतूस और स्कूटी बरामद कर ली।पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई को तालाब गगनी शुक्ल मॉडल हाउस निवासी आफरीन हुसैन ने थाना कैसरबाग में तहरीर देकर बताया कि आरोपी मो. इलियास उर्फ अत्तू उनके घर में घुस आया और उनके पति फजील हुसैन पर जान से मारने की नीयत से कई गोलियां चला दीं। गोली फजील हुसैन के सीने में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना के आधार पर थाना कैसरबाग में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी परिवर्तन चौक की ओर सफेद स्कूटी से आने वाला है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर परिवर्तन चौक के पास आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मो. इलियास उर्फ अत्तू (43 वर्ष) निवासी राजा बाजार, चौक बताया। उसने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए कहा कि उसकी पत्नी उसे और बच्चों को छोड़कर मायके में रहने लगी थी। उसने पत्नी को वापस लाने के लिए कई बार समझाने और रिश्तेदारों के माध्यम से समझौता कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। आरोपी का आरोप था कि उसकी पत्नी के भाई फजील हुसैन भी उसे वापस न आने के लिए सहयोग कर रहे थे, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान था और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही थी।आरोपी ने बताया कि 8 जुलाई की सुबह करीब तीन बजे वह स्कूटी से अपनी ससुराल पहुंचा और सीढ़ी के रास्ते घर में दाखिल हुआ। दरवाजा खटखटाने पर जैसे ही उसके साले फजील हुसैन ने दरवाजा खोला, उसने रिवॉल्वर से ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं और मौके से फरार हो गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह बाद में आत्मसमर्पण करने की सोच रहा था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया।गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक फैक्ट्री मेड .32 बोर रिवॉल्वर, दो खोखा कारतूस, चार जिंदा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी (यूपी32क्यूपी4229) बरामद की है।

तालकटोरा में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, कमरे में फंदे से लटका मिला शव; पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ। राजधानी के तालकटोरा थाना क्षेत्र के न्यू बादशाहखेड़ा, आलमनगर में गुरुवार को एक विवाहिता का शव कमरे में फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार, कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली कि न्यू बादशाहखेड़ा में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही थाना तालकटोरा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।प्रारंभिक जांच में मृतका की पहचान निधि देवी (28 वर्ष), पत्नी शिव प्रकाश, निवासी न्यू बादशाहखेड़ा, आलमनगर के रूप में हुई।

मऊ में 5 .30 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा नया 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बुधवार को मऊ जनपद के बंधा रोड स्थित प्रस्तावित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विद्युत क्षेत्र को आधुनिक, सुदृढ़ और उपभोक्ता-केंद्रित बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, निर्बाध और विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।बहुउद्देशीय भवन 'मंगलम' में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आम जनजीवन की आधारशिला है।ए.के. शर्मा ने बताया कि करीब 5 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र की क्षमता 5+5 एमवीए होगी। इसके अंतर्गत चार नए 11 केवी फीडरों का निर्माण किया जाएगा, जिससे मौजूदा विद्युत उपकेंद्रों पर पड़ने वाला अतिरिक्त भार कम होगा और क्षेत्र की बिजली वितरण व्यवस्था अधिक संतुलित एवं प्रभावी बनेगी।उन्होंने बताया कि इस उपकेंद्र के निर्माण से पटन टोला, व्यारी टोला, संस्कृत पाठशाला, हरिकेशपुरा, सदर चौक, मलिक टोला, हट्टी मदारी, औरंगाबाद, हनुमान घाट, ऑफिसर्स कॉलोनी, रेलवे क्वार्टर, गायघाट, खालसा, ख्वाजाजहांपुर और कागजीवनचक सहित अनेक क्षेत्रों के लगभग 4 हजार उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा और उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि नए उपकेंद्र के चालू होने से 11 केवी लाइनों की लंबाई कम होगी, जिससे तकनीकी हानियों और फॉल्ट की घटनाओं में कमी आएगी। साथ ही ओवरलोडिंग की समस्या दूर होगी, लो-वोल्टेज से राहत मिलेगी और बार-बार बिजली बाधित होने जैसी समस्याओं का प्रभावी समाधान होगा। इससे विद्युत वितरण प्रणाली की कार्यक्षमता भी बढ़ेगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपकेंद्र का निर्माण निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को शीघ्र इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विद्युत सेवाओं के निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और आवश्यकता के अनुसार नए उपकेंद्रों, विद्युत लाइनों तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं का विस्तार लगातार किया जा रहा है।

तालकटोरा में विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, कारणों की जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। राजधानी के तालकटोरा थाना क्षेत्र स्थित न्यू बादशाहखेड़ा, आलमनगर में एक 28 वर्षीय विवाहिता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार, गुरुवार को कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली कि न्यू बादशाहखेड़ा में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर थाना तालकटोरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।जांच में पता चला कि निधि देवी (28 वर्ष), पत्नी शिव प्रकाश, निवासी न्यू बादशाहखेड़ा, आलमनगर ने अपने कमरे में पंखे से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली।

लखनऊ में गैर इरादतन हत्या का आरोपी भेजा गया जेल, लापरवाही पर दो दारोगा निलंबित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बंथरा के मवई पड़ियाना गांव में पिटाई में घायल 30 वर्षीय युवक जितेंद्र की मौत के मामले में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के आरोपित महिपाल सिंह को गिरफ्तार किया है।

मामले में लापरवाही बरतने पर हल्का प्रभारी दारोगा प्रवीण पाल और घटना वाले दिन रात्रि ड्यूटी पर तैनात दारोगा शशांक मिश्रा को निलंबित किया गया है। दोनों पर प्रकरण में लापरवाही बरतने और ड्यूटी में शिथिलता का आरोप है।

गौरतबल है कि 27 जून को मवई पड़ियाना निवासी जितेंद्र बाइक से मवई चौराहा जा रहे थे। रास्ते में उनकी बाइक से बकरी टकरा गई थी। इससे नाराज होकर गांव के ही महिपाल ने अपने भतीजों के साथ मिलकर लाठी-डंडों से जितेंद्र को बुरी तरह पीटा था। घटना में जितेंद्र को गंभीर चोटें आई थी।

इलाज के दौरान 10 दिन बाद जितेंद्र की मौत हो गई। मंगलवार को परिवारजन ने बंथरा पुलिस पर मारपीट के मामले में शिकायत के बावजूद कार्रवाई न करने और आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। लोगों ने चार घंटे तक फतेहगंज-नारायणपुर रोड जाम कर दी थी।

पुलिस ने आरोपित महिपाल सिंह के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया तो प्रदर्शन समाप्त हुआ। मामले में शिथिलता बरतने पर दारोगा प्रवीण पाल और शशांक मिश्रा को निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है।

बंथरा थाना प्रभारी राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित महिपाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। मामले में शामिल अन्य लोगों के बारे में भी जांच की जा रही है।

महंगे शौक पूरे करने के लिए मंदिर का सेवादार ही बन गया चोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र स्थित प्राचीन बुद्धेश्वर महादेव मंदिर से लगातार हो रही घंटों की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाला कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि मंदिर का सेवादार ही निकला। पुलिस ने आरोपी को मंदिर से घंटों की चोरी करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से बड़ी संख्या में पीतल के घंटे, घंटी और अन्य सामान बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से प्राचीन बुद्धेश्वर महादेव मंदिर से लगातार घंटों की चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। इस संबंध में स्थानीय लेखपाल आनंद श्रीवास्तव की तहरीर पर थाना पारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।जांच के दौरान 8 जुलाई की शाम मंदिर के सेवादार गोलू उर्फ गौरव (28 वर्ष) को स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने मंदिर से घंटे चोरी कर बैग में ले जाते समय पकड़ लिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके बैग की तलाशी ली, जिसमें 10 पीतल के बड़े घंटे, एक पीतल की छोटी घंटी, घंटे बांधने की पांच लोहे की जंजीरें तथा एक लोहे का कुंडा बरामद हुआ।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मंदिर में सेवादार के रूप में कार्य करता था और मंदिर परिसर में ही उसे रहने के लिए कमरा दिया गया था। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर और कंट्रोल सिस्टम भी उसके कमरे में रखा था, जिससे उसे कैमरों की स्थिति और निगरानी व्यवस्था की पूरी जानकारी थी।आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से मंदिर के घंटे निकालकर अपने बैग में छिपा देता था। उसका इरादा पर्याप्त संख्या में घंटे इकट्ठा होने के बाद उन्हें एक साथ बेचकर पैसे कमाने का था। हालांकि स्थानीय लोगों की सतर्कता के चलते वह रंगे हाथों पकड़ लिया गया।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में दर्ज मुकदमे में अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

फांसी लगाने का प्रयास करने वाले युवक की इलाज के दौरान मौत

लखनऊ। राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र में फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के पिता ने उसकी पत्नी और ससुराल पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, 6 जुलाई की रात करीब 9 बजे सूचना मिली थी कि घसियारी मोहल्ला निवासी सुमित (31 वर्ष) ने फांसी लगाने का प्रयास किया है। परिजन उसे गंभीर हालत में लोकबंधु अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार चल रहा था।प्रारंभिक जांच में पता चला कि सुमित मूल रूप से रायबरेली जिले के लालगंज का रहने वाला था और पिछले करीब दो वर्षों से बिजनौर के घसियारी मोहल्ला में अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रह रहा था। वह पेशे से वाहन चालक था।इलाज के दौरान 9 जुलाई को लोकबंधु अस्पताल में सुमित की मौत हो गई।

ऑटो खरीदने निकले युवक की दोस्त ने कर दी हत्या, मोबाइल और नकदी के लालच में रची खौफनाक साजिश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के काकोरी थाना क्षेत्र में ऑटो-रिक्शा खरीदने के लिए घर से निकले एक युवक की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक के साथ ऑटो खरीदने गया उसका परिचित ही शराब के नशे और मोबाइल व नकदी के लालच में उसका हत्यारा बन गया। हत्या के बाद आरोपी शव को एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड किनारे फेंककर मोबाइल फोन और बचे हुए रुपये लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, नकदी और घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद कर लिया है।पुलिस के अनुसार, ग्राम दोना निवासी मस्तराम रावत ने 8 जुलाई को थाना काकोरी में तहरीर देकर बताया कि उनके छोटे भाई दिलीप रावत (30) एक दिन पहले घर से करीब 80 हजार रुपये लेकर ऑटो-रिक्शा खरीदने के लिए मुजीब उर्फ मुन्ना के साथ गए थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी।घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना काकोरी पुलिस ने परिजनों के साथ दो टीमें गठित कीं तथा सर्विलांस टीम की मदद से मोबाइल नंबरों का विश्लेषण शुरू किया। इसी दौरान सूचना मिली कि भलिया अंडर एक्सप्रेस-वे के आगे एक व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची, घटनास्थल को सुरक्षित कर फील्ड यूनिट की सहायता से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए। बाद में परिजनों ने शव की पहचान दिलीप रावत के रूप में की। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए सर्विलांस टीम सहित तीन पुलिस टीमों को लगाया गया। लगातार दबिश और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 9 जुलाई को नामजद आरोपी मुजीब उर्फ मुन्ना निवासी नकटौरा, मजरा दोना, थाना काकोरी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से मृतक का लूटा गया एआई प्लस कंपनी का मोबाइल फोन, 4,800 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा (यूपी32टीटी4614) बरामद किया गया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ऑटो चालक है। 7 जुलाई को उसकी मुलाकात दिलीप रावत से हुई, जो नया ऑटो खरीदने के लिए रुपये लेकर आया था। दोनों ने ऑटो एजेंसी पहुंचकर वाहन की बुकिंग के लिए 50 हजार रुपये तथा ड्राइविंग लाइसेंस के लिए एक हजार रुपये जमा किए।

अब वापस गांव लौटना शर्म की बात

देश में सबसे कम शहरीकरण वाला राज्य हिमाचल प्रदेश है और उसके बाद बिहार का नंबर आता है। इसके बाद असम, ओडिशा आदि राज्य आते हैं। इन राज्यों में शहरीकरण नहीं हुआ है लेकिन गांव लापता हो गए हैं। सवाल है कि कहां चले गए हैं गांव के लोग? वह भी इस समय जब खेती किसानी का समय है? पिछले दिनों एक रील सोशल मीडिया में वायरल हुई, जिसमें पंजाब में धान की रोपनी कर रहे बिहार के किसान अपनी पीड़ा बता रहे थे। वे बिहार के नौजवानों से कह रहे थे कि पंजाब में उनका जीवन कितना मुश्किल है। वे अपील भी कर रहे थे कि अगर पढ़ सकते हो तो पढ़ो और कुछ करो। इस रील में सवाल है कि जवाब है। देश के तमाम पिछड़े इलाकों, जिनमें बिहार, झारखंड, ओडिशा, बंगाल का नाम खास तौर पर लिया जा सकता है, से गांव उठ कर दिल्ली, पंजाब, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, वडोदरा, बेंगलुरू और हैदराबाद चले गए हैं।

लेकिन ऐसा नहीं है कि गांव लापता हुए हैं और वहां के लोग देश के बड़े शहरों में चले गए हैं। गांवों से निकल कर ज्यादातर लोग अपने आसपास के शहरों मे गए हैं। अच्छे जीवन की तलाश में, बच्चों की अच्छी शिक्षा व बुजुर्गों के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधा की तलाश में, शहर में मिलने वाली सुविधाओं की मृग मरीचिका में लोग गांव से निकल कर शहर में आ गए हैं या शहर के नजदीक आ गए हैं। 'राग दरबारी' में पहले ही पन्ने पर श्रीलाल शुक्ल ने लिखा है कि 'शहर का वह छोर, जहां से देहात का महासागर शुरू होता है'। लेकिन अब शहर की सीमा के बाद देहात का महासागर नहीं दिखता है, बल्कि बेहद बदरंग रूप में शहर ही देहात तक पहुंच गया है या शहर ही देहात बन गया है।

लोग गांवों से निकल कर शहरों की ओर भागे तो शहर का भौगोलिक विस्तार तेजी से हुआ। शहर का विकास नहीं हुआ, सुविधाएं नहीं बढ़ीं सिर्फ भौगोलिक विस्तार हुआ। जैसे दिल्ली में भीड़ बढ़ती गई तो एनसीआर का दायरा बढ़ता गया वैसे ही बिहार के किसी शहर का विस्तार हुआ तो नगर निगम या नगरपालिका की सीमा बढ़ती गई। लोग इस बात से खुश हुए कि उनका गांव, टोला या मोहल्ल नगरपालिका की सीमा में आ गया। लेकिन नगरपालिका ने वैसी सुविधाएं भी विकसित नहीं की, जैसी पंचायत में उनको मिलती थी। राष्ट्रपति रहते एपीजे अब्दुल कलाम ने पुरा (पीयूआरए) यानी प्रोविजन ऑफ अर्बन एमेनिटीज टू रूरल एरियाज का जिक्र किया था, जिसे 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने शुरू किया था। इसके तहत ग्रामीण इलाकों में शहरी सुविधाएं यानी सीवेज, पीने के पानी, अच्छी सड़क आदि की सुविधा देनी थी। दुर्भाग्य से उसके 23 साल बाद गांव उजाड़ पड़े हैं और शहरों में भी ये सुविधाएं पूरी तरह से नहीं मिल रही हैं।

गांव के लोग जिन चीजों की तलाश में शहर आए थे वो उनको मिली नहीं और वे गांव से उजड़ गए। शहरों में अच्छी शिक्षा के नाम पर कचरा ज्ञान फैलाने वाले निजी स्कूल और कोचिंग हैं। सरकारी स्कूलों की हालत बदतर है। सरकारी अस्पताल दिन ब दिन खराब हुए हैं तो निजी अस्पताल इतने महंगे हैं कि लोग उसे अफोर्ड नहीं कर सकते हैं। नौकरी और रोजगार की संभावना नगण्य है। लेकिन अब वापस गांव लौटना शर्म की बात मानी जाएगी। इसलिए संघर्ष कर रहे हैं। उधर गांवों में छोटी जोत वाले किसान भी खेत मजदूरों की तलाश में भटक रहे हैं। उनके घर के नौजवान भी अच्छे जीवन की उम्मीद लिए गांव से निकल गए हैं। वे भी कहीं किसी शहर या महानगर में भटक रहे हैं। थोड़े समय पहले तक गांवों में जहां चौपाल पर, मंदिर या मस्जिदों के चबूतरे पर या पेड़ की छांव में लोग बैठे दिखते थे वहां अब सन्नाटा है। सड़क पर कुछ महिलाएं तो दिखती हैं लेकिन कामकाजी उम्र के लोग लापता हैं।

हमें हक नहीं किसी के विश्वास की हत्या करने का

विश्वास की परिभाषा सरल है-किसी पर निर्भर होना और उसके साथ सुरक्षित भविष्य की उम्मीद रखना।

पूनम भाटिया

रिश्ते केवल खून से नहीं बनते, विश्वास से बनते हैं। और जब विश्वास ही हत्या का हथियार बन जाए, तब केवल एक व्यक्ति नहीं मरता, इंसानियत भी घायल होती है।

पिछले कुछ समय में देश ने ऐसे कई मामले देखे हैं जिन्होंने समाज को भीतर तक झकझोर दिया। हाल के सिया-केतन प्रकरण में जाँच एजेंसियाँ प्रेम, सगाई और कथित साजिश के पहलुओं की जाँच कर रही हैं। इससे पहले सोनम-राजा रघुवंशी हत्याकांड लंबे समय तक चर्चा में रहा। उससे पहले श्रद्धा वालकर हत्याकांड ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था, जिसमें लिव-इन पार्टनर पर हत्या और शव के टुकड़े करने का आरोप लगा। दिल्ली का चर्चित 'नीला ड्रम' मामला भी लोगों के मन में आज तक भय पैदा करता है। इन सभी मामलों की परिस्थितियाँ अलग-अलग हैं और अंतिम न्यायिक निर्णय अपनी प्रक्रिया से होगा, लेकिन एक बात समान दिखाई देती है और वह है-भरोसे का टूटना।

विश्वास की परिभाषा सरल है-किसी पर निर्भर होना और उसके साथ सुरक्षित भविष्य की उम्मीद रखना। लेकिन जब वही भरोसा धोखे में बदल जाता है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं टूटता; उसके साथ परिवार, सामाजिक रिश्ते और मानवीय संवेदनाएँ भी आहत होती हैं। सिया-केतन जैसे मामलों में व्यक्तिगत संबंधों के साथ आर्थिक और भावनात्मक जटिलताएँ भी सामने आती हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि किन चेतावनी संकेतों को अनदेखा किया गया और किसने किसके विश्वास का लाभ उठाया।

यह केवल अपराध की कहानी नहीं, बल्कि उस भरोसे की हत्या है जिसके सहारे कोई अपना भविष्य किसी दूसरे के साथ जोड़ता है। जब जीवन का सबसे सुरक्षित रिश्ता ही सबसे बड़ा खतरा बन जाए, तो समाज को आत्ममंथन करना ही होगा।

अधिकांश विश्वासघात निजी और पारिवारिक रिश्तों में होते हैं। प्रेम, सहजीवन और वैवाहिक संबंध सुरक्षा का आधार होने चाहिए, लेकिन जब इन्हीं का दुरुपयोग होता है तो पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं, स्वीकार है। विवाह का अर्थ बंधन नहीं, साझेदारी है। यदि किसी रिश्ते में प्रेम, सम्मान और विश्वास समाप्त हो जाए, तो अलग होने के लिए कानून, संवाद, परिवार और समाज, सभी रास्ते उपलब्ध हैं। किसी का जीवन छीन लेने का अधिकार किसी को नहीं हो सकता।

आज सोशल मीडिया पर अपराधों की खबरें सनसनी बनकर फैलती हैं। कई बार लोग अपराधी की चालाकी या उसकी योजना पर ऐसे चर्चा करते हैं, मानो वह कोई रोमांचक कहानी हो। यह प्रवृत्ति भी चिंताजनक है। हर ऐसी खबर के पीछे किसी माँ का उजड़ा आँगन, किसी पिता का टूटा सहारा और किसी परिवार का आजीवन दर्द छिपा होता है। ऐसे अपराध केवल कानूनी रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं बनते, बल्कि समाज में भय, संदेह और असुरक्षा भी बढ़ाते हैं।

विश्वासघात केवल हत्या तक सीमित नहीं है। झूठ बोलना, भावनाओं से खेलना, आर्थिक शोषण करना, दोस्ती या प्रेम के नाम पर धोखा देना, ये उसी मानसिकता के अलग-अलग रूप हैं। जब छोटे छल को सामान्य मान लिया जाता है, तभी बड़े अपराधों की जमीन तैयार होती है।

इस समस्या का समाधान केवल कठोर कानून नहीं हैं। सामाजिक जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की आसान पहुँच, रिश्तों में पारदर्शिता और घरेलू हिंसा के विरुद्ध प्रभावी सहायता तंत्र भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षा-प्रणाली को बच्चों में ईमानदारी, संवेदनशीलता और संवाद का संस्कार विकसित करना होगा। मीडिया को भी जाँच प्रक्रिया और पीड़ितों की गरिमा का सम्मान करते हुए जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

हमें अपने बच्चों को केवल सफल होना नहीं, बल्कि विश्वसनीय होना भी सिखाना होगा। रिश्तों में ईमानदारी, असहमति में संवाद और अलगाव में गरिमा ही सभ्य समाज की पहचान है। रिश्ता टूटने का दर्द समय के साथ कम हो सकता है, लेकिन जब इंसान का इंसान पर से भरोसा टूट जाता है, तब उसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी हार यही है।

व्यंग्य

अपनी सीढ़ी तैयार करने ही होगी

बिना अपनी जमीन तैयार किए चीन की आपूर्ति श्रृंखला से जुड़कर विकसित होने की सोच समस्याग्रस्त है। विकास के लिए भारत को आखिरकार अपना मॉडल और अपनी सीढ़ी तैयार करनी ही होगी।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष अनंत गोयनका की ये राय अहम है कि भारत को चीन से बचने की कोशिश के बजाय उससे कारोबारी संबंध बढ़ाने चाहिए। मैनुफैक्चरिंग क्षमता की मजबूती, नवाचार को बढ़ावा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से अधिक गहराई से जुड़ने के लिए ऐसा करना जरूरी है। फिक्की के सदस्य सीईओज के एक दल की पांच दिवसीय चीन यात्रा के बाद गोयनका चीन ये तीन खास बातें कहीः पहली, चीन कड़े मुकाबले वाले एक फाइटिंग रिंग की तरह है। वहां कंपनियां ऐसे 2-3 प्रतिशत की मार्जिन (मुनाफे) पर काम करती हैं। इस प्रतिस्पर्धा में सिर्फ कठोर और सर्वश्रेष्ठ कंपनियां ही टिक पाती हैं। दूसरी, वहां अनुसंधान एवं विकास और ऑटोमेशन उच्चतम स्तर पर हैं। कंपनियां इन क्षेत्रों में निवेश दास साल के भविष्य को ध्यान में रखकर करती हैं, ना कि किसी तिमाही नतीजे को देख कर।

और तीसरी बात यह कि वहां सरकार एक मूक शेयरधारक है। सस्ता कर्ज, जमीन, बिजली और नीतिगत सहयोग इस पैमाने पर मिलता है कि प्रति इकाई लागत और मुनाफे का गणित बदल जाता है। इस कारण दूसरे देशों की कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा का धरातल समान नहीं रह जाता। गोयनका की टिप्पणियां भारतीय कारोबारी सोच में बड़े बदलाव का संकेत हैं। भारतीय उद्योगपति अब इस भय से निकल गए हैं कि चीन भारत पर हावी हो सकता है। बल्कि राय यह उभरी है कि औद्योगिक विकास के अगले दौर में जाने के लिए चीनी आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ना आवश्यक हो गया है।

लेकिन गोयनका का यह तर्क विवादास्पद है कि भारत को औद्योगिक विकास के पारंपरिक चरणों को छोड़ देना कर सीधे डिजिटल रूप से एकीकृत, कम इंसानी दखल वाले उत्पादन की ओर बढ़ना चाहिए। उल्लेखनीय है कि हर विकसित देश ने ऑटोमेशन तब अपनाया, जब वह बड़े पैमाने पर उत्पादन को व्यवस्थित करना सीख चुका था। नीचे की सीढ़ियां छोड़कर भारत सीधे चोटी पर नहीं पहुंच सकता। यानी बिना अपनी जमीन तैयार किए चीन से जुड़कर विकसित होने की सोच समस्याग्रस्त है। विकास के लिए भारत को आखिरकार अपना मॉडल और अपनी सीढ़ी तैयार करने ही होगी।

ब्लॉग

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन : भारत के डिजिटल स्वास्थ्य का आधार

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) ने विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचनाओं में से एक का निर्माण किया है। इसके अंतर्गत 104 करोड़ से ज्यादा स्वास्थ्य रिकॉर्ड 93 करोड़ से अधिक आभा खातों से जोड़े गए हैं। एबीडीएम ने कागजी कार्रवाई को खत्म कर और इंतजार के समय में कमी लाकर रोगियों को बीमाकर्ताओं, अस्पतालों और डॉक्टरों से एक एकीकृत नेटवर्क से जोड़ दिया है

डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना का निर्माण

भारत सबके लिए स्वास्थ्य सुविधा की ओर लगातार बढ़ रहा है, जहाँ हर कोई बिना किसी आर्थिक कठिनाई के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकता है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक मज़बूत डिजिटल आधार की ज़रूरत है। स्वास्थ्य सेवाओं को ज़्यादा आसान, कुशल और सुलभ बनाने के लिए एक मज़बूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना अनिवार्य है। मरीज़ों के रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से रखने में मदद करता है।

लोगों को स्वास्थ्य सेवा और बीमा प्रदाताओं से जोड़ता है। यह स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स को आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाने की सुविधा देता है, जिससे नागरिक देश भर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़े किसी भी स्वास्थ्य केंद्र पर अपने स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड्स को सुरक्षित रूप से देख और शेयर कर सकते हैं।

यह बिना पहचान वाले गोपनीय स्वास्थ्य डेटा तैयार करता है। इस डेटा का उपयोग स्वास्थ्य योजना और सेवा वितरण में सुधार करने के साथ-साथ भारत के उभरते हुए कृत्रिम मेधा (एआई) इकोसिस्टम को मज़बूत करने के लिए किया जा सकता है। इस तरह की अवसंरचना के होने से बीमारी पर नज़र रखने, निदान और स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में नए नवाचार की संभावना बनती है।

इसे ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने एक एकीकृत और नागरिक-केंद्रित राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम विकसित करने के लिए सितंबर 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की शुरुआत की।

एक एबीडीएम-सक्षम सॉफ्टवेयर का उपयोग करके, स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (आभा) से जुड़े डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड बना सकते हैं। इसके अलावा, वे मरीज की सहमति लेने के बाद उनके पिछले रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से देख सकते हैं और मरीज़ की ऐसी मंज़ूरी, जिसे कभी भी वापस लिया जा सके और जो एक तय समय के लिए हो, के ज़रिए डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

आभा आधार की तरह एक विशिष्ट पहचान है, जो लोगों को सुरक्षित रूप से व्यापक स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ता है। यह मरीजों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में मदद करता है। वे इस एक अंतर-संचालनीय नेटवर्क के माध्यम से अपने पूरे मेडिकल इतिहास को सुरक्षित रखते हुए बीमा कंपनियों, स्वास्थ्य सुविधाओं, डॉक्टरों और अन्य सेवाओं से जुड़ सकते हैं।

मई 2026 में हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि के तहत, अब 104 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड 93 करोड़ से भी ज़्यादा आभा खातों से जुड़ चुके हैं। यह एक व्यवस्थित डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की दिशा में अहम प्रगति है। आभा के अलावा, एबीडीएम एक पूर्ण रूप से विकसित डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र है। यह मरीजों को उनके मेडिकल रिकॉर्ड से जोड़ता है, बीमा कंपनियों को अस्पतालों से जोड़ता है, और सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को एक ही नेटवर्क पर लाता है।

आभा संख्याः 14 अंकों की एक विशिष्ट स्वास्थ्य पहचान या संख्या जो आपकी सहमति से विभिन्न अस्पतालों, लैब, बीमा कंपनियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आपके सभी स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ती है।

स्वास्थ्य व्यावसायिक पंजीयनः देश के सभी स्वास्थ्य पेशेवर डॉक्टरों से लेकर आयुष चिकित्सकों तक का पंजीयन, जो सत्यापित होते हैं और डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं।

स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्रीः सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं—जैसे अस्पतालों, क्लीनिकों, लैब और फार्मेसियों का एक राष्ट्रीय पंजीकरण, जो सभी एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं।

यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेसः स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक खुला नेटवर्क—जैसे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए यूपीआई। इसके ज़रिए किसी भी ऐप से अपॉइंटमेंट बुक करें, डॉक्टरों से परामर्श लें और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का पता लगा सकते हैं।

आरोग्य सेतु 2.0ः यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड (पीएचआर) के लिए एक एकीकृत माध्यम के रूप में कार्य करता है, जिससे देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने की रफ्तार को तेज़ किया जा रहा है।

मूल रूप से भारत के कोविड-19 ट्रेसिंग एप्लिकेशन (कोविड-19 संपर्क में आने वालों का पता लगाने वाला एप) के रूप में विकसित, आरोग्य सेतु को एबीडीएम के तहत नागरिकों के लिए एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में बदल दिया गया है। यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड के लिए एक एकीकृत गेटवे के रूप में कार्य करता है, जो देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने की गति को तेज़ कर रहा है।

आरोग्य सेतु 2.0 को 29 जून, 2026 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा एबीडीएम के तहत एक नए रूप और नागरिक-केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में शुरू किया गया था।

एबीडीएम-सक्षम सेवाओं तक पहुँचः इसमें आभा आईडी बनाना, स्वास्थ्य रिकॉर्ड का प्रबंधन करना और बिना किसी परेशानी के डिजिटल पंजीकरण के लिए स्कैन और रजिस्टर जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

स्मार्ट रिपोर्ट्सः ये रिपोर्ट्स ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ओसीआर) तकनीक पर आधारित हैं, जो डिजिटल दस्तावेजों को आसानी से पढ़ सकती हैं। पारदर्शी कवरेज और क्लेम की जानकारीः इसके तहत एनएचसीएक्स के माध्यम से आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना वॉलेट और निजी बीमा के विवरण को देखा जा सकता है।

आपातकालीन देखभाल तक समय पर पहुँचः पास की स्वास्थ्य सुविधाओं का पता लगा सकते हैं और आपातकालीन देखभाल तक समय पर पहुँच के लिए ई-रक्तकोष के माध्यम से रक्त की वास्तविक समय पर उपलब्धता देख सकते हैं।

एआई-संचालित स्वास्थ्य अंतर्दृष्टिः बायोमार्कर और आरोग्य प्रवृत्तियों के विश्लेषण के लिए अपने अपलोड किए गए रिकॉर्ड को एबीडीएम से जुड़े डेटा के साथ जोड़कर एआई-आधारित स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

संबद्ध और सुलभ इलाज के लिए यूएचआई के माध्यम से टेलीकंसल्टेशन (ऑनलाइन डॉक्टर परामर्श) और अस्पताल जाकर दिखाने, दोनों तरह के अपॉइंटमेंट बुक करने की सुविधा।

मरीज अपने स्वास्थ्य की निर्बाध रूप से निगरानी और प्रबंधन कर सकेंगे; जिसमें एकीकृत वाइटल्स (शारीरिक संकेतकों), व्यक्तिगत रिमाइंडर्स, लक्ष्य ट्रैकिंग और चलने के कदम, कैलोरी, हृदय गति व ग्लूकोज के स्तर को ट्रैक करने के लिए वियरेबल डिवाइस (फिटनेस बैंड/स्मार्टवॉच) को मिलाने की सुविधा शामिल है।

खुद को सूचित रखने और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए ब्लॉग, आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री, वीडियो और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) सहित आरोग्य संबंधी जानकारी तक पहुँच शामिल है। । भारतीय स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान (आईआईएचएमआर) द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, 2022 में एबीडीएम के तहत शुरू की गई राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की स्कैन एंड शेयर सेवा ने मोबाइल तकनीक और क्यूआर कोड का उपयोग करके बाह्य रोगी (ओपीडी) पंजीकरण को काफी सरल और सुव्यवस्थित बना दिया है।

यह सेवा मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाओं में एक क्यूआर कोड स्कैन करके डिजिटल कतार टोकन जनरेट करने में सक्षम बनाती है, जिसमें उनके आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (आभा) से जनसांख्यिकीय विवरण सुरक्षित रूप से प्राप्त कर लिए जाते हैं और उन्हें उस स्वास्थ्य सुविधा के स्वास्थ्य सूचना तंत्र के साथ एकीकृत कर दिया जाता है।

आईआईएचएमआर के अध्ययन में पाया गया कि स्कैन एंड शेयर सेवा ने मरीजों के प्रतीक्षा समय को लगभग एक घंटे से घटाकर मात्र 2 से 5 मिनट कर दिया है। देश भर की स्वास्थ्य सुविधाओं में 23.21 करोड़ से अधिक आभा से जुड़े टोकन जारी किए गए (18 जून, 2026 तक की स्थिति के अनुसार)।

सरकारी एजेंसियों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और रोगी अधिकार समूहों के सहयोग से विकसित यह सेवा, डेटा सुरक्षा, गोपनीयता और अंतर-संचालनीयता के स्थापित मानकों का कड़ाई से पालन करती है।

सभी स्वास्थ्य सुविधाएं—सरकारी और निजी एबीडीएम नेटवर्क में शामिल हो सकती हैं। इसमें अस्पताल, क्लिनिक, डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाएं और इमेजिंग केंद्र, फार्मेसी आदि शामिल हैं। इस प्रणाली से जुड़ने के बाद, मरीज नेटवर्क के भीतर अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को बिना किसी परेशानी के आपस में जोड़ सकते हैं। इस नेटवर्क से जुड़ने के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रतिपूर्ति दी जाती है और उन्हें अधिक अनुभव भी मिलता है। इसकी पंजीकरण प्रक्रिया बेहद सरल है और यह एबीडीएम की वेबसाइट पर उपलब्ध है। स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री, एबीडीएम से जुड़ी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं का एक व्यापक संग्रह है।

एक बार जब कोई स्वास्थ्य सुविधा इसमें पंजीकृत हो जाती है, तो मरीज उसे आभा ऐप पर आसानी से खोज सकते हैं। यदि वे इलाज के लिए उस सुविधा (अस्पताल/क्लिनिक) में जाते हैं, तो उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड स्वचालित रूप से लिंक हो जाते हैं और मरीज की सहमति से उन्हें साझा किया जा सकता है। यदि वह स्वास्थ्य सुविधा राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा विनिमय (एनएचसीएक्स) का उपयोग करती है, तो बीमा कवरेज भी इससे जुड़ जाता है। यह पूरी प्रक्रिया को बेहद सरल बना देता है। किसी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को खोजने और पहचान सत्यापित करने से लेकर बीमा दावों के निपटान और कतार के प्रबंधन तक।

कलेक्ट्रेट पर हंगामा: वकील के बोलते ही भड़के एसएसपी, बंदी वाहन में वकील पर बरसाए थप्पड़, पांच हिरासत में लिए

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ में अनुसूचित जाति की बीए छात्रा के अपहरण के बाद हत्या के मामले में बुधवार को कलक्ट्रेट के बाहर पीड़ित परिजन और समर्थक सड़क पर धरना देकर जाम लगाकर बैठ गए। करीब तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद भी जब लोग नहीं हटे तो एसएसपी अविनाश पांडेय मौके पर पहुंचे। उन्होंने धरने पर बैठे कुछ लोगों को थप्पड़ जड़ दिए जिसके बाद हंगामा हो गया।

पुलिस ने लाठी फटकार सड़क खाली कराई और पांच लोगों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद एसएसपी ने बंदी वाहन में पहुंचकर हिरासत में लिए गए सूरजपुर, गौतमबुद्धनगर निवासी रवि गौतम को कई थप्पड़ जड़ दिए। रवि गौतम ने अपने गमछे से फंदा लगाने की कोशिश की। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

टीपीनगर थाना क्षेत्र की बीए की छात्रा 15 मई की सुबह स्नातक की परीक्षा देने घर से निकली थी लेकिन वह कॉलेज नहीं पहुंची। पुलिस के अनुसार रोहटा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी अंकुश उसे अगवा कर उकसिया गांव ले गया था। वहां ईख के खेत में उसने छात्रा पर शादी का दबाव बनाया।

छात्रा के इनकार करने पर आरोपी ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने अपहरण और हत्या के आरोप में अंकुश तथा साक्ष्य छिपाने के आरोप में खेत मालिक आदेश व एक अन्य को गिरफ्तार कर कार्रवाई की थी। वहीं परिजन छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए अंकुश के भाई, पीएसी के सिपाही अंकित, और उसकी मां की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

बुधवार दोपहर करीब एक बजे परिजन बड़ी संख्या में लोगों के साथ चौधरी चरण सिंह पार्क में धरना देने पहुंचे। करीब डेढ़ बजे सभी लोग एकत्र होकर जिलाधिकारी से मिलने कलक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने कलक्ट्रेट के गेट बंद कर दिए।

इससे नाराज प्रदर्शनकारी बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए और जाम लगा दिया। सूचना पर एसपी देहात अभिजीत कुमार, एसपी यातायात राजेश श्रीवास्तव और सीओ विश्व ज्योति राय मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों से शांतिपूर्वक अपनी बात रखने और जाम समाप्त करने की अपील की, लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं माने।

लाठी चलाओ... सड़क से नहीं उठेंगे

धरने का नेतृत्व कर रहे युवा शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और गाजियाबाद से एआईएमआईएम के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुके रवि गौतम से पुलिस अधिकारियों ने जाम खोलने की अपील की। उन्हें चेतावनी दी गई कि जाम नहीं हटाया गया तो पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ेगा।

इस पर रवि गौतम ने कहा, लाठी चलाओ या जेल भेजो, हम धरने से नहीं उठेंगे। इस दौरान एसपी देहात और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक भी हुई। जाम के कारण पुलिस को रूट डायवर्जन करना पड़ा। धरने पर बैठे लोग लगातार नारेबाजी करते हुए डीएम और एसएसपी को मौके पर बुलाने की मांग करते रहे।

शाम करीब साढ़े चार बजे एसएसपी अविनाश पांडेय मौके पर पहुंचे। उन्होंने पहले प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया लेकिन जब लोग नहीं माने तो उन्होंने धरने पर बैठे कुछ लोगों को थप्पड़ जड़ दिए। इसके बाद हंगामा हो गया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने लाठी फटकारकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया। छात्रा के परिवारको पुलिस ने घर भेज दिया। वहीं रवि गौतम और पीड़ित परिवार को उकसाने के आरोप में अन्य लोगों को हिरासत में ले लिया गया। हिरासत में लेने के बाद रवि गौतम को बंदी वाहन में बैठाया गया। आरोप है कि इसके बाद एसएसपी अविनाश पांडेय बंदी वाहन के अंदर पहुंचे और रवि गौतम को कई थप्पड़ जड़ दिए। इसके बाद रवि गौतम ने अपने गमछे से फंदा लगाने की कोशिश की।

आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही पुलिस

पुलिस का कहना है कि रवि गौतम के खिलाफ गाजियाबाद के कोतवाली थाने में वर्ष 2024 में हत्या के दो मुकदमे दर्ज हैं। उसके खिलाफ कुल चार प्राथमिकी दर्ज हैं। हालांकि उसे वकील भी बताया गया है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

वहीं पीड़ित परिवार को उकसाने के मामले में भारतीय किसान यूनियन अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह भाटी का भी नाम सामने आया है। उसके खिलाफ अमरोहा समेत विभिन्न स्थानों पर कुल नौ प्राथमिकी दर्ज हैं। दस दिन पहले दिग्विजय को जिला बदर किया गया था। दिग्विजय का कहना है कि वह मौके पर मौजूद नहीं था। पुलिस ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों से उसके मौके पर मौजूदगी की पुष्टि हुई है।

आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने की मांग

लोग इस मामले में आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने, पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद और सुरक्षा दिलाने, फास्ट ट्रैक केस में केस चलाने की मांग कर रहे थे। अंकुश के भाई अंकित व उसके साथी निशांत पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

परिजन कार्रवाई से थे संतुष्ट : एसएसपी

धरना-प्रदर्शन की सूचना मिलने पर सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने 7 जुलाई को छात्रा के परिजनों से मुलाकात की थी। उस दौरान परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर संतुष्टि जताई थी। इसके वीडियो साक्ष्य भी पुलिस के पास मौजूद हैं। पुलिस कार्रवाई से संतुष्ट होने के बावजूद दिग्विजय सिंह भाटी, रवि गौतम और कुछ अन्य अराजकतत्व छात्रा के भाई को प्रलोभन देकर उकसा रहे थे। इसी कारण सड़क जाम किया गया। चेतावनी देने के बाद भी जब प्रदर्शनकारी नहीं माने तो कार्रवाई की गई।

- अविनाश पांडेय, एसएसपी

शोरूम में आग की जांच रिपोर्ट में कटियामारी

जौनपुर। नगर के जोगियापुर रोड स्थित प्रेम गाढ़ा भंडार शोरूम में शार्ट सर्किट से लगी आग की जांच रिपोर्ट प्रशासन को सौंप दी गई है। जांच में बिजली व्यवस्था और आग से बचाव के पर्याप्त संसाधनों की कमी सहित कई खामियां सामने आई हैं। एडीएम वित्त एवं राजस्व परमानंद झा के नेतृत्व में गठित दो सदस्यीय जांच समिति ने यह रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट के आधार पर शोरूम संचालक को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जांच रिपोर्ट में शोरूम की विद्युत व्यवस्था में कटियामारी के प्रमाण मिलने का उल्लेख है। साथ ही, भवन में आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की बात भी सामने आई है। आग पर काबू पाने के लिए स्थानीय दमकल के साथ वाराणसी से भी अग्निशमन की कई गाड़ियां बुलानी पड़ी थीं। घंटों की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी थी। शोरूम संचालक अमत जी वैश्य ने आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने सहयोग किया, लेकिन खामियां, लापरवाही और कटियामारी सहित लगाए गए सभी आरोप गलत हैं।

जुलूस-ए-अलम के साथ अंगारों पर मातम

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर के अहमद खा मंडी में 22 मुहर्रम के मौके पर पारंपरिक ऐतिहासिक जुलूस-ए-अलम और जुलजनाह बेहद अकीदत और गमगीन माहौल में निकाला गया। इस मजलिसी प्रोग्राम और जुलूस में भारी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर कर्बला के शहीदों को याद किया।जुलूस से पहले आयोजित मजलिस को देश के जाने-माने धर्मगुरुओं ने संबोधित किया। मौलाना सैयद सैफ अब्बास किबला ने कर्बला के ऐतिहासिक संदर्भ और हजरत इमाम हुसैन की शहादत के मकसद पर रौशनी डाली। मौलाना हसन अकबर खान ने कौम को एकजुट रहने और हुसैनियत के रास्ते पर चलने का पैगाम दिया। अकबर खान ने अपनी तकरीर से मजलिस में मौजूद अकीदत मंदों को भावुक कर दिया। अंजुमनों का नौहाख्वानी और आग का मातम मजलिस के बाद अहमद खा मंडी से अलम और जुलजनाह का जुलूस निकाला गया। अकीदतमंदों ने दहकते हुए लाल अंगारों पर चलकर मातम किया और इमाम हुसैन के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की। सैयद राजू,अफजल,सुनील,रियाजुल,कन्हैया लाल मौर्य,मुशर्रफ रजा,मेहंदी,इंतजार,मेराज हैदर , मिनहाल दरोगा खान आदि सेकड़ो लोग मौजूद रहे।

चौकी में भाजपा कोषाध्यक्ष ने युवक को जड़ा थप्पड़, वीडियो वायरल, कहा- शासन-प्रशासन मेरा है

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। सुल्तानपुर नगर कोतवाली की शाहगंज पुलिस चौकी में बुधवार रात भाजपा की जिला कोषाध्यक्ष पूजा कसौधन का एक युवक को चौकी इंचार्ज के सामने थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। शहर के आदर्शनगर, पल्टू का पुरवा, घोसियाना निवासी अरुण कोरी के मुताबिक वह शहर के मुरारीदास की गली में हर्षित बरनवाल की फर्म में नौकरी करते हैं।

बुधवार को वह शाहगंज चौराहे पर पहुंचे थे। उनका आरोप है कि उसी समय वहां पर पूजा कसौधन अपने पुत्र रौनक कसौधन के साथ पहुंची। दोनों ने गाली देते हुए उन पर हमला कर दिया। वहां पर किसी तरह से जान बचाते हुए अरुण कोरी शाहगंज चौकी पर पहुंचे। वहां उन्होंने चौकी इंचार्ज अविनाश चंद्र से प्रकरण की शिकायत की। इसी बीच पूजा कसौधन भी अपने पुत्र के साथ वहां पर पहुंच गईं। वहां पर चौकी इंचार्ज के सामने ही पूजा कसौधन ने दोबारा उन्हें पीट दिया।

पीड़ित का आरोप है कि भाजपा नेत्री ने कहा कि शासन -प्रशासन मेरा है। तुम मर जाओगे, कोई पूछने वाला नहीं मिलेगा। क्षेत्राधिकारी नगर राघवेंद्र सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो व पीड़ित की तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। प्रकरण की जांच की जा रही है।

स्कूल चलो अभियान ' की निकाली रैली

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों का विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को टाउन हॉल मैदान, नगर पालिका परिषद से 'स्कूल चलो अभियान' की जनपद स्तरीय रैली का भव्य आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया, जो नगर पालिका के मैदान से शुरू होकर कोतवाली चैराहा, चहारसू, शाही किला, अटाला मस्जिद होते हुए पुनः नगरपालिका मैदान में आकर समापन शिक्षा के प्रति जनजागरूकता के संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। राज्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के नामांकन तथा उनकी शिक्षा में गुरुजनों की भूमिका का महत्व सर्वोपरि है। विद्यालय चलो अभियान के प्रथम चरण से लेकर द्वितीय चरण तक जनपद में लगभग 60 हजार नए विद्यार्थियों का नामांकन किया जा चुका है । जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करना तथा शिक्षा के प्रति अभिभावकों एवं समाज को जागरूक करना है। सरकार द्वारा प्राथमिक एवं बेसिक शिक्षा के विद्यार्थियों के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत प्रत्येक छात्र-छात्रा को डीबीटी के माध्यम से रु0 1200 की धनराशि यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, स्वेटर तथा अन्य आवश्यक शैक्षिक सामग्री हेतु प्रदान की जा रही है। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा और जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां लेकर विद्यार्थियों ने शहरवासियों को बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन तथा नियमित विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी ।

प्रयोगशालाओं का निरीक्षण कर परखी तैयारियां

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के साथ ही कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने गुरुवार को प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भईया भौतिकी अध्ययन संस्थान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक सुविधाओं तथा उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन किया और उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की।कुलपति ने संस्थान के शिक्षकों के साथ बैठक कर नए सत्र की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभागाध्यक्ष अपने-अपने विभागों में प्रवेश, कक्षाओं के संचालन, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, समय-सारिणी तथा अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ आधुनिक संसाधनों से युक्त शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना है।

ग्रेटर नोएडा के जेवर में धान रोपाई कर लौट रहे थे बिहार के तीन मजदूर, तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने रौंदा, मौके पर ही मौत

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। यूपी के ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बिहार के तीन प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। तीनों मजदूर खेतों में धान की रोपाई का काम खत्म कर पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान जेवर-खुर्जा मार्ग पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने पीछे से उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के मुताबिक, तीनों मजदूर बिहार के अररिया जिले के रहने वाले थे और जेवर क्षेत्र के नीमका गांव में धान की रोपाई का काम करने आए थे। बुधवार देर रात काम खत्म होने के बाद वे पैदल गांव की ओर लौट रहे थे। तभी जेवर की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही स्कॉर्पियो ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों मजदूर सड़क पर दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए शव

ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी ने बताया कि तीनों मृतकों की पहचान बिहार के अररिया जिले के थाना ताराबाड़ी क्षेत्र के जमुआ गांव निवासी कारण, विश्वजीत और मिथुन के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को जेवर के कैलाश अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा भरने के बाद तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना करने वाली स्कॉर्पियो और उसके चालक की तलाश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सड़कें जलमग्न, रेंगती कारें और जाम... नोएडा-गाजियाबाद से गुरुग्राम तक बारिश से त्राहिमाम, फरीदाबाद के इन सेक्टरों में बिजली गुल

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। लगातार दूसरे दिन हुई मूसलाधार बारिश ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गईं। सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। फरीदाबाद में बिजली और पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई, जबकि गाजियाबाद, नोएडा और गुरुग्राम में जलभराव ने आवागमन मुश्किल बना दिया।

नोएडा के सेक्टर-18, सेक्टर-62, खोड़ा कॉलोनी, बिसरख रोड, सर्फाबाद सहित कई इलाकों में जलभराव की स्थिति रही। वहीं ग्रेटर नोएडा के तिलपता, सूरजपुर, हल्द्वानी मोड़, किसान चौक, कासना रोड और ग्रेटर नोएडा वेस्ट की कई सोसायटियों के बाहर सड़कों पर घुटने पर पानी जमा हो गया। लोगों को घरों से निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बारिश का सबसे ज्यादा असर नोएडा-ग्रेटर नोएडा के ट्रैफिक पर देखने को मिला। डीएससी रोड, सूरजपुर-कासना मार्ग, किसान चौक, सेक्टर-18 और ग्रेटर नोएडा वेस्ट समेत कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कई लोग समय पर दफ्तर नहीं पहुंच सके, जबकि स्कूली बच्चों को भी जाम के बीच घंटों फंसना पड़ा।

लगातार बारिश से कई जगह सड़कें उखड़ गईं और गहरे गड्ढे पानी में छिप गए। इससे दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। कई स्थानों पर वाहन फिसलने और आपस में टकराने की घटनाएं भी सामने आईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर मानसून में यही हालात बनते हैं, लेकिन जल निकासी की स्थायी व्यवस्था आज तक नहीं हो सकी।

गुरुग्राम में जलभराव, अगले पांच दिन बारिश का अलर्ट

गुरुग्राम में भी तेज बारिश हो रही है। कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया, जिससे वाहन रेंग-रेंगकर चलते नजर आए। हालांकि सुबह बड़े ट्रैफिक जाम की शिकायतें कम रहीं, लेकिन जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने गुरुग्राम के लिए अगले पांच दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले इलाकों में सावधानी बरतने की अपील की है।

फरीदाबाद में बिजली संकट

फरीदाबाद में बुधवार रात से हो रही लगातार बारिश का असर बिजली और पेयजल व्यवस्था पर भी पड़ा। एनआईटी की कई कॉलोनियों में रातभर बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली निगम के कंट्रोल रूम में शिकायतों की बाढ़ आ गई। अधिकारियों के मुताबिक, कई स्थानों पर फॉल्ट आने से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। वहीं संजय कॉलोनी, पर्वतीय कॉलोनी, जीवन नगर, जवाहर कॉलोनी और सेक्टर-52 में गंदे पानी की सप्लाई की शिकायतें भी सामने आईं। फरीदाबाद के पॉश सेक्टर-15ए, अजरौंदा, नेशनल हाईवे स्थित बाटा चौक, सेक्टर-11, सीकरी, एनआईटी क्षेत्र के डबुआ 60 फीट रोड, एयरफोर्स रोड और बड़खल गांव समेत कई इलाके जलमग्न हो गए।

गाजियाबाद में सड़कें बनीं तालाब

गाजियाबाद में भी लगातार बारिश के बाद मोदीनगर, लोनी, साहिबाबाद और साहिबाबाद स्टेशन रोड सहित कई इलाकों में जलभराव हो गया। मुख्य सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई इलाकों में लोग घरों में रहने को मजबूर हो गए।

13 जुलाई तक राहत के आसार नहीं

मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में 13 जुलाई तक रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी रह सकता है। कुछ इलाकों में भारी बारिश की भी संभावना है। इससे गर्मी और उमस से राहत तो मिलेगी, लेकिन जलभराव और ट्रैफिक की समस्या बनी रह सकती है। लगातार हो रही बारिश के बाद एक बार फिर नगर निकायों और विकास प्राधिकरणों की जल निकासी व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। लोगों का कहना है कि हर साल करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद पहली तेज बारिश में ही सड़कें तालाब बन जाती हैं। इस बीच, खराब मौसम का असर हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। कई उड़ानों में देरी की आशंका को देखते हुए एयरलाइंस ने यात्रियों को एयरपोर्ट के लिए समय से निकलने और फ्लाइट स्टेटस जांचने की सलाह जारी की है।

डायबिटीज में सुबह खाली पेट जरूर खाएं ये चीजें, दिनभर रहेगा ब्लड शुगर कंट्रोल

डायबिटीज के मरीजों के लिए खानपान का सही चुनाव ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने में अहम भूमिका निभाता है। खासकर सुबह का नाश्ता पूरे दिन की सेहत को प्रभावित करता है। ऐसे में जानिए, डायबिटीज में सुबह खाली पेट कौन-सी चीजें खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

आज के समय में डायबिटीज के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें शरीर का ब्लड शुगर स्तर सामान्य से अधिक हो जाता है। अगर इसे सही तरीके से कंट्रोल न किया जाए, तो समय के साथ यह शरीर के कई अंगों पर असर डाल सकती है। इसलिए डायबिटीज में सिर्फ दवाएं ही नहीं, बल्कि संतुलित खानपान और स्वस्थ लाइफस्टाइल भी बेहद जरूरी मानी जाती है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए सुबह का नाश्ता दिन के सबसे जरूरी भोजन में से एक माना जाता है। रातभर के लंबे अंतराल के बाद शरीर को एनर्जी और जरूरी पोषक तत्वों की जरूरत होती है। ऐसे में संतुलित और पौष्टिक नाश्ता करने से दिनभर एनर्जी बनाए रखने में मदद मिल सकती है और ब्लड शुगर को संतुलित रखने में भी सहयोग मिल सकता है। वहीं, नाश्ता छोड़ने या गलत चीजों का चुनाव करने से ब्लड शुगर के स्तर पर असर पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि डायबिटीज में सुबह खाली पेट कौन-सी चीजें खाना बेहतर माना जाता है, किन खाने की चीजों से बचना चाहिए और नाश्ता करते समय किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

डायबिटीज में सुबह खाली पेट इन चीजों को डाइट में करें शामिल

Healthline के मुताबिक, डायबिटीज में सुबह का नाश्ता ऐसा होना चाहिए, जिसमें प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट का संतुलन हो। नाश्ते में ओट्स शामिल किए जा सकते हैं, क्योंकि इनमें फाइबर अच्छी मात्रा में होता है। बिना चीनी का दही यानी ग्रीक योगर्ट प्रोटीन का अच्छा सोर्स है और लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद कर सकता है। चिया सीड्स में फाइबर और ओमेगा-3 फैटी एसिड पाए जाते हैं। उबला अंडा प्रोटीन से भरपूर होता है और संतुलित नाश्ते का अच्छा विकल्प माना जाता है। वहीं बादाम या अखरोट जैसे मेवे हेल्दी फैट, प्रोटीन और फाइबर प्रदान करते हैं। इन खाने की चीजों को संतुलित मात्रा में और डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह के अनुसार डाइट में शामिल किया जा सकता है, ताकि शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें और दिन की शुरुआत पौष्टिक तरीके से हो।

डायबिटीज में सुबह खाली पेट क्या खाने से बचना चाहिए?

डायबिटीज के मरीजों को सुबह खाली पेट ज्यादा चीनी वाली चीजें, जैसे मिठाई, मीठे पेय, पैकेज्ड जूस और शक्कर वाली चाय या कॉफी से बचना चाहिए। इसके अलावा मैदे से बनी ब्रेड, बिस्किट, केक, पेस्ट्री और अन्य प्रोसेस्ड खाने की चीजों का अधिक सेवन भी ठीक नहीं माना जाता।

तला-भुना और ज्यादा तेल वाला नाश्ता भी सीमित मात्रा में ही लेना चाहिए। नाश्ता छोड़ना भी सही आदत नहीं है, क्योंकि इससे ब्लड शुगर के स्तर पर असर पड़ सकता है।

डायबिटीज के मरीज सुबह का नाश्ता करते समय किन बातों का ध्यान रखें?

सुबह का नाश्ता समय पर करें और लंबे समय तक खाली पेट न रहें। नाश्ते में प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट को जरूर शामिल करें। एक बार में बहुत ज्यादा भोजन करने के बजाय संतुलित मात्रा में खाएं।

पर्याप्त पानी पिएं और डॉक्टर या डाइटिशियन द्वारा बताए गए डाइट प्लान का पालन करें। नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच कराते रहें और बिना सलाह के अपने खानपान या दवाओं में बदलाव न करें।

पानी आधारित बनाम दूध आधारित टोनर : कौन-सा विकल्प है किस तरह की त्वचा के लिए सही?

टोनर त्वचा की देखभाल का एक जरूरी उत्पाद है, जो चेहरे की सफाई के बाद त्वचा को ताजगी और नमी देने में मदद करता है। बाजार में कई तरह के टोनर मिलते हैं, जिनमें से पानी आधारित और दूध आधारित टोनर सबसे ज्यादा चर्चित हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसका उपयोग किसे करना चाहिए? आइए जानते हैं कि पानी आधारित टोनर और दूध आधारित टोनर में से किसका चयन बेहतर होता है।

पानी आधारित टोनर क्या है और इसका उपयोग कैसे करें?

पानी आधारित टोनर प्राकृतिक तत्वों से बने होते हैं और इनका मुख्य उद्देश्य त्वचा को नमी देना और उसे पोषण देना होता है। ये हल्के होते हैं और जल्दी त्वचा में समा जाते हैं, जिससे त्वचा को ताजगी मिलती है। इनका उपयोग करने का तरीका है कि चेहरे को साफ करने के बाद सूती कपड़े पर थोड़ा-सा टोनर लेकर हल्के हाथों से पूरे चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा को साफ करने के साथ-साथ उसे नमी भी प्रदान करता है।

दूध आधारित टोनर क्या है और इसे कैसे उपयोग करें?

दूध आधारित टोनर में दूध के पोषक तत्व होते हैं, जो त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं। ये टोनर खासकर सूखी त्वचा वालों के लिए फायदेमंद होते हैं, क्योंकि ये त्वचा को गहराई से नमी देते हैं और मुलायम बनाते हैं। इसका उपयोग करने के लिए एक सूती कपड़े पर थोड़ा-सा टोनर लेकर हल्के हाथों से पूरे चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा को नमी देने के साथ-साथ उसे मुलायम भी बनाता है।

किस प्रकार की त्वचा के लिए पानी आधारित टोनर है बेहतर?

पानी आधारित टोनर सभी प्रकार की त्वचा वालों के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन खासकर तैलीय और मिश्रित त्वचा वालों के लिए ये अधिक फायदेमंद होते हैं। ये टोनर त्वचा के अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करते हैं और रोमछिद्रों को छोटा करने में मदद करते हैं। इसके अलावा ये टोनर त्वचा की ताजगी बनाए रखते हैं और इसे नमी देते हैं। अगर आपकी त्वचा तैलीय या मिश्रित है तो पानी आधारित टोनर आपका सही चयन हो सकता है।

किस प्रकार की त्वचा के लिए दूध आधारित टोनर है अच्छा विकल्प?

दूध आधारित टोनर सूखी त्वचा वालों के लिए बेहतरीन होते हैं, क्योंकि इनमें मौजूद दूध के तत्व त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं। यह टोनर खासकर सर्दियों में बहुत फायदेमंद होते हैं, जब हवा में नमी कम होती है और त्वचा सूखी हो जाती है। इसे उपयोग करने पर त्वचा मुलायम और नमी युक्त महसूस होती है। अगर आपकी त्वचा सूखी है तो दूध आधारित टोनर आपका सही चयन हो सकता है।

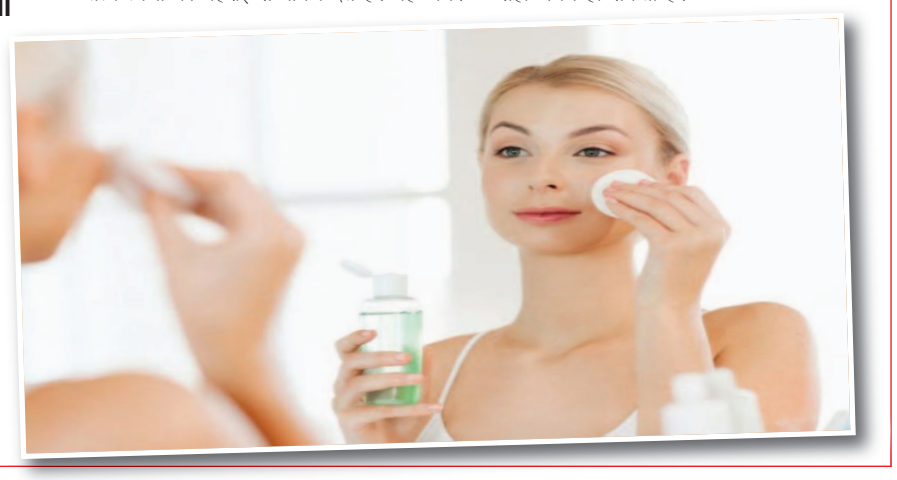

कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन क्यों है सेहत के लिए फायदेमंद?

कच्चे अंकुरित अनाज को सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ये न केवल स्वाद में अच्छे होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अंकुरित अनाज में विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ कई बीमारियों से बचाए रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि कच्चे अंकुरित अनाज को खाने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

पाचन के लिए है बेहतरीन

कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन पाचन के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ये फाइबर से भरपूर होते हैं, जो मल त्याग को आसान बनाते हैं और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाते हैं। इसके अलावा अंकुरित अनाज में मौजूद खास तत्व पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से इन्हें खाने से पेट साफ रहता है और पेट संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

वजन को नियंत्रित करने में सहायक

अगर आप वजन नियंत्रित करना चाहते हैं तो इसके लिए भी कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन लाभकारी हो सकता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन कैलोरी में कम होते हैं। इसलिए इन्हें खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और ज्यादा खाने की इच्छा कम होती है। इसके अलावा अंकुरित अनाज में मौजूद फाइबर चर्बी के अवशोषण को कम करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

दिल की सेहत को बढ़ावा

दिल की बीमारियां आजकल आम हो गई हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने खाने-पीने का खास ध्यान रखें। इसके लिए कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन फायदेमंद हो सकता है। ये खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके दिल की सेहत में सुधार कर सकते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स दिल को स्वस्थ रखते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूती

शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली यानी इम्यूनिटी को मजबूत करने में भी कच्चे अंकुरित अनाज फायदेमंद हो सकते हैं। इनमें विटामिन-सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। ये इम्यूनिटी को मजबूती देने के साथ-साथ शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी देते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को दूर करने में भी मदद करते हैं।

मधुमेह के जोखिम में कमी

खून में शक्कर की मात्रा बढ़ने से मधुमेह का खतरा हो सकता है, लेकिन कच्चे अंकुरित अनाज से इस बीमारी के जोखिम कम किए जा सकते हैं। इनमें मौजूद फाइबर शरीर में इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसके अलावा इनमें मधुमेह रोधी गुण होते हैं, जो खून में शक्कर की मात्रा को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। हालांकि, मधुमेह रोगी इन्हें अपनी डाइट में शामिल करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

पुराने स्टाइल में बालों को कर्ल करने के लिए इस्तेमाल करें रोलर

बालों को कर्ल करने के लिए कई तरीके हैं, जिनमें से एक है रोलर का इस्तेमाल करना। यह तरीका न केवल आसान है, बल्कि इसके जरिए आप अपने बालों को एक अलग और आकर्षक लुक दे सकती हैं। रोलर का इस्तेमाल करके आप बिना हीटिंग उपकरणों के अपने बालों को कर्ल कर सकती हैं। इस लेख में हम आपको रोलर का सही तरीके से इस्तेमाल करने के लिए कुछ टिप्स देंगे, जिससे बाल पुराने समय की तरह कर्ल हो जाएंगे।

बालों को तैयार करें

रोलर का इस्तेमाल करने से पहले अपने बालों को अच्छी तरह से धो लें। इसके लिए एक हल्के शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें। इसके बाद बालों को तौलिये से हल्का-सा सुखा लें, ताकि उनमें नमी बनी रहे, लेकिन वे गीले न हों। इससे रोलर आसानी से बालों में सेट हो सकेंगे और कर्ल लंबे समय तक टिके रहेंगे। इसके अलावा बालों में कुछ हल्का स्टाइलिंग उत्पाद लगाएं, ताकि कर्ल अच्छे से सेट हो सकें।

सही आकार और प्रकार चुनें

रोलर कई आकार और प्रकार में आते हैं, इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने बालों की लंबाई और मोटाई के अनुसार सही रोलर चुनें। छोटे रोलर छोटे कर्ल बनाने के लिए अच्छे होते हैं, जबकि बड़े रोलर लंबे और बड़े कर्ल के लिए बेहतर होते हैं। इसके अलावा आप अलग-अलग प्रकार के रोलर, जैसे कि वेल्क्रो रोलर, सॉफ्ट रोलर और प्लास्टिक रोलर भी आजमा सकती हैं। यह आपके बालों की जरूरत और स्टाइल पर निर्भर करता है।

बालों को हिस्सों में बांटे

रोलर लगाने से पहले अपने बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें। इससे यह आसान हो जाएगा कि आप हर हिस्से पर ध्यान दे सकें और सभी बालों को समान रूप से सेट कर सकें। इसके लिए पहले बालों को बीच से अलग करके 2 हिस्सों में बांट लें, फिर हर हिस्से को छोटे-छोटे सेक्शन में बांटकर रोलर लगाएं। इससे आपके कर्ल पूरे दिन टिके रहेंगे और आपके बालों को एक खूबसूरत लुक देंगे।

रोलर को सही तरीके से लगाएं

अब बारी आती है रोलर लगाने की। सबसे पहले एक हिस्से को लें और उसे रोलर पर लपेटें, फिर उसे जड़ों तक पहुंचाएं। इसके बाद रोलर को हल्का-सा दबाकर पिन या क्लिप से अच्छी तरह से बांधें, ताकि वह जगह पर टिका रहे। इसी तरह सभी हिस्सों पर रोलर लगाएं। अगर आप चाहें तो रोलर को रातभर लगा रहने दें और सुबह उठकर उन्हें हटा दें। इससे आपके बालों को एक खूबसूरत लुक मिलेगा।

सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें

रोलर हटाने के बाद अपने नए कर्ल पर सेटिंग स्प्रे लगाएं, ताकि वे लंबे समय तक टिके रहें। सेटिंग स्प्रे बालों को स्थिरता देता है और उन्हें उलझने से बचाता है। इसके अलावा सेटिंग स्प्रे आपके कर्ल को पूरे दिन प्राकृतिक जैसा बनाए रखता है। अगर आप चाहें तो हल्का-सा तेल भी लगा सकते हैं, ताकि आपके कर्ल चमकदार दिखें और मुलायम महसूस हों। इससे आपके बालों को एक बेहतरीन लुक मिलेगा।

टैक्स में कटा अपना पूरा पैसा वापस चाहिए? रिटर्न भरते समय बस कर लें ये काम

ITR 2026 फाइल करने का सीजन आ गया है। अगर आप भी अपना टैक्स रिफंड बढ़ाना चाहते हैं, तो दोनों टैक्स रिजीम की सही तुलना करें। 80C, NPS और स्टैंडर्ड डिडक्शन का पूरा लाभ उठाएं। सटीक जानकारी भरें और रिटर्न तुरंत ई-वेरिफाई करें।

इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करने का सीजन दस्तक दे चुका है। ऐसे में हर टैक्सपेयर की सबसे बड़ी चिंता यही होती है कि अपना टैक्स रिफंड कैसे बढ़ाया जाए। दरअसल, रिफंड बढ़ाना केवल आखिरी पलों में निवेश के दस्तावेज खंगालने तक सीमित नहीं है। इसकी असली चाबी इस बात में छिपी है कि आपका आईटीआर आपकी वास्तविक आय, सही निवेश प्लान और पहले चुकाए गए टैक्स का बिल्कुल सटीक ब्योरा दे रहा हो।

कई बार जानकारी के अभाव में आपका कटा हुआ टीडीएस (TDS) या एडवांस टैक्स सरकारी खजाने में ही रह जाता है। जब पूरे वित्तीय वर्ष में आपकी ओर से चुकाया गया टैक्स आपकी असली देनदारी से ज्यादा हो जाता है, तो इनकम टैक्स विभाग वह अतिरिक्त रकम आपको रिफंड के रूप में लौटा देता है। इस रिफंड को ई-फाइलिंग पोर्टल पर आसानी से ट्रैक भी किया जा सकता है। टैक्स विशेषज्ञ भी सलाह देते हैं कि छोटी सी गलती भी आपके रिफंड को अटका सकती है या विभाग के नोटिस का कारण बन सकती है। ऐसे में आइए समझते हैं वो तरीके जिनसे आप अपना रिफंड अधिकतम कर सकते हैं।

सही टैक्स रिजीम का चुनाव करेगा कमाल

रिटर्न फाइल करने से पहले सबसे अहम कदम पुरानी और नई टैक्स व्यवस्था (Old vs New Regime) के बीच तुलना करना है। यह कतई जरूरी नहीं कि जो व्यवस्था आपके सहकर्मी के लिए अच्छी हो, वही आपके लिए भी फायदेमंद हो। आपको दोनों विकल्पों में अपनी टैक्स देनदारी का गणित समझना होगा। जिस व्यवस्था में आपका टैक्स सबसे कम बन रहा हो, उसी का चुनाव करें। अगर साल के दौरान आपकी सैलरी से ज्यादा टीडीएस कट गया है, तो सटीक टैक्स रिजीम चुनकर आप अपना फंसा हुआ पैसा आसानी से वापस पा सकते हैं।

पुरानी व्यवस्था में छिपे हैं टैक्स बचाने के शानदार मौके

अगर आपकी कैलकुलेशन पुरानी टैक्स व्यवस्था की तरफ इशारा कर रही है, तो आपके पास डिडक्शन (कटौती) क्लेम करने के ढेरों विकल्प मौजूद हैं। सेक्शन 80C के तहत पीपीएफ, ईपीएफ, ईएलएसएस, जीवन बीमा प्रीमियम या 5 साल की टैक्स-सेविंग एफडी में निवेश करके सीधे तौर पर 1.5 लाख रुपये तक की छूट ली जा सकती है। इसके अलावा, सेक्शन 80D के तहत हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम चुकाकर उम्र के हिसाब से 25,000 रुपये से लेकर 50,000 रुपये तक का अतिरिक्त फायदा लिया जा सकता है। वेतनभोगी कर्मचारी निर्धारित शर्तों के साथ हाउस रेंट अलाउंस (HRA) क्लेम कर सकते हैं। वहीं सेक्शन 24(b) के तहत होम लोन के ब्याज भुगतान पर 2 लाख रुपये तक की बड़ी राहत पाई जा सकती है।

NPS निवेश से मिलेगी 50 हजार की एक्स्ट्रा पावर

अगर आपने सेक्शन 80C की 1.5 लाख रुपये की लिमिट पूरी कर ली है, तो नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। सेक्शन 80CCD(1B) के तहत एनपीएस में निवेश कर आप 50,000 रुपये की अतिरिक्त टैक्स कटौती का दावा कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि सेक्शन 80CCD(2) के तहत नियोक्ता (Employer) के योगदान पर मिलने वाला टैक्स लाभ पुरानी और नई, दोनों टैक्स व्यवस्थाओं में उपलब्ध है। इसके जरिए पुरानी रिजीम में वेतन के 10 प्रतिशत और नई रिजीम में 14 प्रतिशत तक के योगदान पर टैक्स में छूट क्लेम की जा सकती है।

स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ इन जरूरी स्टेप्स पर दें ध्यान

हर वेतनभोगी टैक्सपेयर को अपनी टैक्स योग्य आय पर बिना कोई निवेश प्रमाण दिए 'स्टैंडर्ड डिडक्शन' का फायदा मिलता है। पुरानी व्यवस्था में यह कटौती 50,000 रुपये है, जबकि नई टैक्स व्यवस्था में इसे बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा फैमिली पेंशन प्राप्तकर्ताओं को सेक्शन 57(iia) के तहत पुरानी रिजीम में 15,000 रुपये व नई रिजीम में 25,000 रुपये तक की छूट मिलती है। अगर आय तय सीमा के भीतर रहती है, तो सेक्शन 87A की रिबेट आपकी टैक्स देनदारी को पूरी तरह शून्य कर सकती है। रिफंड को जल्दी और बिना किसी रुकावट के अपने खाते में मंगाने के लिए कुछ बुनियादी बातें हमेशा याद रखें। अपनी आय के स्रोत के हिसाब से एकदम सही आईटीआर फॉर्म चुनें। रिटर्न में पहले से भरे हुए टीडीएस डिटेल्स का अपने फॉर्म 16 या 16A से मिलान जरूर करें ताकि कोई विसंगति न रहे। बैंक खाते की जानकारी बिल्कुल सही भरें क्योंकि रिफंड सीधा आपके एक्टिव खाते में ही क्रेडिट किया जाएगा। सबसे अहम बात, आईटीआर सबमिट करने के तुरंत बाद अपना ई-वेरिफिकेशन पूरा करें। विभाग आपके रिटर्न की प्रोसेसिंग ई-वेरिफिकेशन के बाद ही शुरू करता है, इसलिए इसमें देरी आपके रिफंड को अटका सकती है।

सरकार ने नवी मुंबई एयरपोर्ट के जरिए दवाओं के आयात को मंजूरी दी

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने महाराष्ट्र में हाल ही में शुरू हुए नवी मुंबई एयरपोर्ट के जरिए दवाओं के आयात की मंजूरी दे दी है। इससे दवा की खेप के लिए तय एंट्री पॉइंट्स की संख्या में इजाफा हुआ है। यह जानकारी आधिकारिक बयान में बुधवार को दी गई।

ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियम 43ए में संशोधन करके नवी मुंबई को उन एयरपोर्ट्स की लिस्ट में शामिल किया गया है जहां से दवाएं आयात की जा सकती हैं। यह कदम दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और व्यापार को आसान बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह नोटिफिकेशन ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के प्रावधानों के तहत ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड से सुझाव के बाद जारी किया गया है।

बयान में कहा गया, इस संशोधन से फार्मास्युटिकल कंसाइनमेंट की आवाजाही आसान होने, लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होने और भारत में दवाओं के आयात के लिए एक नया विकल्प मिलने से आयातकों को ज्यादा सुविधा मिलने की उम्मीद है।

मंत्रालय ने कहा कि यह पहल नियामक ढांचे को मजबूत करने, व्यापार को आसान बनाने और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के साथ-साथ आयात की गई दवाओं पर प्रभावी रेगुलेटरी निगरानी सुनिश्चित करने की सरकार की लगातार कोशिशों के अनुरूप है।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने जून में ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन का प्रस्ताव दिया था ताकि जांच, टेस्ट या एनालिसिस के लिए दवाओं के आयात की मंजूरी लेने की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके, जिसे आमतौर पर 'फॉर्म 11' के जरिए किया जाता है। यह संशोधन एनालिटिकल और नॉन-क्लिनिकल टेस्टिंग के मकसद से कम मात्रा में सभी दवाओं के आयात के लिए एक स्वीकृति-आधारित सिस्टम शुरू करता है।

बयान में कहा गया है कि इस संशोधन से टेस्टिंग या आरएंडडी के मकसद से कम मात्रा में दवाओं के आयात के लिए लाइसेंसिंग की जरूरतें खत्म हो जाएंगी, जिससे आवेदकों पर नियमों का पालन करने का बोझ काफी कम होने की उम्मीद है।

इस कदम से फार्मास्युटिकल सेक्टर में कारोबार में आसानी को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही रिसर्च और इनोवेशन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्टार्ट-अप्स और इंडस्ट्रीज तेजी से टेस्टिंग या एनालिसिस शुरू कर पाएंगी।

पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया में बोले: आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोनों देश एकजुट, वैश्विक तनाव और जंग पर क्या कहा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बानीज के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। मेलबर्न में आयोजित इस वार्ता के बाद उन्होंने आतंकवाद, द्विपक्षीय व्यापार, खेल के क्षेत्र में सहयोग जैसे मुद्दों पर भी बात की। पीएम मोदी के साथ वार्ता के समय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री समेत कई और भी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष को भारत आने का न्योता भी दिया। पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट प्रयास, वैश्विक तनाव और जंग के हालात में नीतियों के अलावा खेल की दुनिया में सहयोग बढ़ाने को लेकर क्या कहा? जानिए इस खबर में

भारत में ऑस्ट्रेलिया से कितना निवेश आएगा?

इससे पहले पीएम मोदी ने इंडिया-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख सीईओ, बिजनेस लीडर्स, ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख निवेशक और अग्रणी विश्वविद्यालयों को कुलपति शामिल हुए। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े पेंशन फंड ऑस्ट्रेलियनसुपर ने गुरुवार को घोषणा की कि वे भारत के राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष में 50 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का निवेश करेंगे। पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलियनसुपर की इस घोषणा का स्वागत किया। यह निवेश सात साल पहले एलान किए गए 24 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर निवेश से अलग होगा।

परमाणु ऊर्जा पर हुआ समझौता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीस के साथ बातचीत के बाद कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते पर तेजी से काम करेंगे। दोनों देश द्विपक्षीय निवेश संधि की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया ने परमाणु ऊर्जा पर एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। यह समझौता ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की आपूर्ति को आसान बनाएगा। दोनों देश एक महत्वपूर्ण खनिज गलियारे पर भी काम करेंगे।

रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर क्या बोले पीएम मोदी?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया शांति, स्थिरता और नौवहन की स्वतंत्रता को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई और सहयोग को लगातार मजबूत करने पर जोर दिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए एक संयुक्त घोषणा जारी की। दोनों देश भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा नवाचार गलियारे के माध्यम से भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग की दिशा में काम करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने क्या कहा?

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीस ने कहा कि उनकी रणनीतिक साझेदारी के छह साल बाद, भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया के संबंध आज से अधिक महत्वपूर्ण कभी नहीं रहे। उन्होंने मोदी के साथ बातचीत के बाद कहा कि दोनों देश भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ताकि वे लगातार मजबूत होते रहें। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने संयुक्त समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप का समर्थन किया और साइबर तथा महत्वपूर्ण तकनीक पर नई साझेदारी पर सहमति व्यक्त की।

दक्षिणी चीन में बाढ़ ने मचाई तबाही : 39 लोगों की मौत, बांध टूटने से सबसे बड़ा हादसा

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिणी चीन में ट्रॉपिकल स्टॉर्म 'मेसाक' के कारण आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। गुरुवार को अधिकारियों ने बताया कि इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। शहर के उपमहापौर डिंग वेई ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि अधिकांश मौतें गुआंग्शी क्षेत्र के नाननिंग शहर में बांध टूटने की घटना के कारण हुईं। इस हादसे में अकेले 26 लोगों की जान चली गई। ट्रॉपिकल स्टॉर्म 'मेसाक' (मायसाक) पश्चिमी प्रशांत महासागर और दक्षिण चीन सागर में बनने वाला एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात है। जब किसी उष्णकटिबंधीय प्रणाली में लगातार चलने वाली हवाओं की रफ्तार लगभग 63 से 118 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच पहुंच जाती है, तो उसे 'ट्रॉपिकल स्टॉर्म' कहा जाता है। इससे अधिक ताकतवर होने पर यही तूफान टाइफून की श्रेणी में आ जाता है। वर्ष 2026 का ट्रॉपिकल स्टॉर्म मेसाक दक्षिण चीन सागर में बना और फिर हैनान द्वीप होते हुए दक्षिणी चीन की ओर बढ़ा। इसके साथ आई मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण गुआंग्शी और आसपास के इलाकों में बाढ़ आ गई। कई नदियां उफान पर पहुंच गईं और कुछ स्थानों पर बांध भी टूट गए, जिससे बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ। 'मेसाक' नाम माइक्रोनेशिया द्वारा विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) और टाइफून समिति को दिया गया है। पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में आने वाले चक्रवातों के नाम पहले से तय सूची के अनुसार रखे जाते हैं और हर नए तूफान को उसी क्रम में नाम मिलता है।

भारतीय इंजीनियर ने अमेरिका में की पत्नी की हत्या, शव का फोटो भारत में रह रही प्रेमिका को भेजा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रह रहे एक 30 वर्षीय भारतीय इंजीनियर को यूएस पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंजीनियर पर नौ माह पहले अपनी पत्नी की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि भारतीय इंजीनियर अविनाश नारने ने अपनी पत्नी रंजीता सब्बीनेनी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी ने पत्नी के शव की फोटो भारत में रह रही अपनी प्रेमिका को भी भेजी थी। पुलिस जांच के बाद हत्या का मामला साफ हो जाने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

27 अक्टूबर, 2025 को, सॉफ्टवेयर इंजीनियर नारने ने पुलिस को फोन करके बताया कि उनकी पत्नी बाथरूम में बंद हैं और बाहर नहीं आ रही हैं। जब पुलिस ने बाथरूम का दरवाजा तोड़ा, तो उन्हें सबिनेनी जमीन पर पड़ी मिलीं। अधिकारियों ने उन्हें मौके पर ही मृत घोषित कर दिया। पूछताछ के दौरान, नारने ने पुलिस को बताया कि वह कुछ काम से अपार्टमेंट से बाहर गए थे। जब वह लगभग 40 मिनट बाद घर लौटे, तो उन्होंने सबिनेनी को बाथरूम में बंद पाया। हालांकि, अधिकारियों को नारने के बाहर रहने के दौरान घर में किसी और के घुसने का कोई सबूत नहीं मिला।

अगले दिन, किंग काउंटी मेडिकल एग्जामिनर ऑफिस ने सबिनेनी की मौत को हत्या करार दिया और कहा कि उनकी मौत गला घोंटे जाने के कारण दम घुटने से हुई थी। जांच से पता चला कि नारने का भारत में एक महिला के साथ कई वर्षों से रिश्ता था। उस महिला के साथ रिश्ते में रहते हुए ही, नारने की 5 जून, 2025 को सबिनेनी से शादी हुई थी।

यौन उत्पीड़न और मानहानि मामले में ट्रंप को झटका, 1996 में की गई गलती के लिए अब क्यों देंगे 58 लाख डॉलर?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यौन उत्पीड़न और मानहानि मामले में बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने बुधवार को आदेश दिया कि लेखिका ई. जीन कैरोल को वह 58 लाख अमेरिकी डॉलर की राशि जारी की जाए, जिसे वर्ष 2023 में जूरी के फैसले के बाद एस्क्रो खाते में जमा कराया गया था। ट्रंप के वकीलों ने तुरंत इस आदेश के खिलाफ अपील दायर की, लेकिन भुगतान पर रोक लगाने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई।

जूरी के 2023 के फैसले के तुरंत बाद ट्रंप ने यह राशि एक एस्क्रो खाते में जमा करा दी थी। हाल ही में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भी निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा, जिसके बाद संघीय न्यायाधीश लुईस ए. कैपलन ने राशि जारी करने का

रास्ता साफ कर दिया। शुरुआती 50 लाख डॉलर की क्षतिपूर्ति राशि ब्याज जुड़ने के बाद बढ़कर करीब 58 लाख डॉलर हो गई है।

जूरी ने माना था कि ट्रंप ने साल 1996 में मैनहैटन के एक लग्जरी डिपार्टमेंट स्टोर के ट्रायल रूम में लेखिका कैरोल का यौन उत्पीड़न किया था। साल 2019 में प्रकाशित अपनी आत्मकथा में कैरोल द्वारा इस घटना का सार्वजनिक रूप से उल्लेख किए जाने के बाद ट्रंप ने उनके खिलाफ मानहानिकारक बयान दिए थे। उस समय ट्रंप अपने पहले राष्ट्रपति कार्यकाल में थे। उन्होंने कैरोल के आरोपों को झूठा बताते हुए एक साक्षात्कार में कहा था, 'वह मेरी पसंद की महिला नहीं हैं।'

ट्रंप ने अपने बचाव में दीं ये दलीलें

फैसले के बाद बुधवार को ट्रंप के वकीलों ने कहा कि वे कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके मुवक्किल के राजनीतिक विरोधी न्यायिक व्यवस्था का इस्तेमाल उनके खिलाफ कर रहे हैं। अपील में उन्होंने दलील दी कि न्यायाधीश कैपलन का आदेश लागू नहीं होना चाहिए, क्योंकि ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट से उसके हालिया फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। हालांकि, बुधवार देर रात द्वितीय अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स की न्यायाधीश यूनिस सी. ली ने कैरोल को भुगतान रोकने की ट्रंप की याचिका खारिज कर दी। कैरोल के वकीलों ने अपीलीय अदालत में दाखिल दस्तावेज में कहा, 'अब इस मामले का अंत होना चाहिए।' उन्होंने लिखा, 'कैरोल तीन वर्षों से अधिक समय से जूरी द्वारा तय की गई क्षतिपूर्ति राशि का इंतजार कर रही हैं। उन्हें अब और इंतजार नहीं करना चाहिए।' इस मुकदमे में ट्रंप स्वयं अदालत में उपस्थित नहीं हुए थे। सुनवाई के दौरान कैरोल ने गवाही दी थी कि डिपार्टमेंट स्टोर में ट्रंप से हुई एक सामान्य और दोस्ताना मुलाकात अचानक हिंसक हो गई थी।

1996 की गलती का अब क्यों हर्जाना दे रहे ट्रंप?

वहीं, अब 82 साल की हो चुकीं कैरोल को लेकर ट्रंप लगातार कहते रहे कि वह उन्हें जानते तक नहीं थे। उन्होंने कैरोल पर अपनी किताबों की बिक्री बढ़ाने और राजनीतिक मकसद से आरोप लगाने का भी आरोप लगाया। कैरोल ने ट्रंप के खिलाफ मुकदमा उस समय दायर किया था, जब न्यूयॉर्क ने कानून में बदलाव कर यौन उत्पीड़न के पीड़ितों को वर्षों पुराने मामलों में भी मुकदमा दायर करने का नया अवसर दिया था। न्यायाधीश कैपलन ने अपने आदेश में लिखा, 'ट्रंप वर्षों से इस मामले को लटकाते रहे हैं। अब समय आ गया है कि वे न्यायसंगत व्यवहार करें और अदालत द्वारा तय राशि का भुगतान करें।'

इस बीच, ट्रंप एक अन्य मानहानि मामले में कैरोल को दिए गए 8.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हर्जाने के खिलाफ भी अपील कर रहे हैं। यह राशि वर्ष 2024 में मैनहैटन की एक अलग जूरी ने तय की थी, जिसमें ट्रंप ने संक्षिप्त रूप से गवाही भी दी थी।

मई में 1.54 करोड़ लोगों ने भरी उड़ान, आकासा एयरलाइन पर सबसे ज्यादा यात्रियों ने जताया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में घरेलू हवाई यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही है। मौसमी यात्राओं में तेजी के चलते मई 2026 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान एयरलाइंस ने मांग के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से अपनी उड़ान क्षमता (कैपेसिटी) बढ़ाई, जिससे यात्री यातायात में सुधार देखने को मिला।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 में देश की घरेलू एयरलाइंस से करीब 1.54 करोड़ यात्रियों ने सफर किया। पिछले साल मई में यह संख्या 1.40 करोड़ थी। यानी एक साल में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इससे साफ है कि देश में घरेलू हवाई यात्रा की मांग लगातार मजबूत बनी हुई है। मासिक आधार पर भी घरेलू हवाई यात्रा में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल 2026 में जहां 1.38 करोड़ यात्रियों ने हवाई सफर किया था, वहीं मई में यह संख्या बढ़कर 1.54 करोड़ पहुंच गई। यानी एक महीने में यात्री संख्या में करीब 11.6 फीसदी की वृद्धि हुई।

गर्मियों की छुट्टियों के चलते मई में घरेलू हवाई यात्रा में तेजी देखी गई है। हालांकि पश्चिम एशिया संकट के चलते बढ़ते खर्च को देखते हुए एयरलाइंस कंपनियों ने अपनी उड़ानों की संख्या सोच-समझकर बढ़ाई। ताकि उन्हें भी ज्यादा आर्थिक दबाव नहीं झेलना पड़े। मई में ज्यादातर एयरलाइंस की सीटें अप्रैल के मुकाबले ज्यादा भरी रहीं। इनमें आकासा एयर की सबसे अधिक 92.5 फीसदी सीटें भरी रही। इसके बाद स्पाइसजेट 87.4 प्रतिशत, इंडिगो (86.4 प्रतिशत और एयर इंडिया ग्रुप 83.5 प्रतिशत का स्थान रहा है। डीजीसीए के अनुसार, मई 2026 में घरेलू उड़ानों की कुल रद्द होने की दर 0.55 फीसदी रही है। इनमें सबसे ज्यादा 45.1 फीसदी उड़ानें तकनीकी कारणों से रद्द हुईं। इसके बाद 26.6 फीसदी परिचालन कारणों और 15.3 फीसदी खराब मौसम की वजह से रद्द करनी पड़ीं।

घरेलू विमानन बाजार में इंडिगो सबसे बड़ी एयरलाइन बनी रही। मई 2026 में इंडिगो ने 99.91 लाख यात्रियों को सफर कराया। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 64.9 फीसदी रही। जबकि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस को मिलाकर एयर इंडिया ग्रुप ने 39.33 लाख यात्रियों को सफर कराया। इसकी बाजार हिस्सेदारी 25.6 फीसदी रही। अकासा एयर ने 8.90 लाख यात्रियों के साथ 5.8 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल की। स्पाइसजेट की हिस्सेदारी 2.5 फीसदी रही। जबकि फ्लाई 91, स्टार एयर और एलायंस एयर की हिस्सेदारी क्रमशः 0.4 फीसदी, 0.5 फीसदी और 0.3 फीसदी रही।

ममता को कोर्ट से राहत: पार्टी के तीनों खातों से पैसा निकाल सकेगी टीएमसी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में गुरुवार को दो बड़े घटनाक्रम सामने आए। एक ओर कलकत्ता हाईकोर्ट ने जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गुट वाले तृणमूल कांग्रेस को पार्टी के फ्रीज किए गए तीन बैंक खातों के संचालन के लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त कर दिया, वहीं दूसरी ओर अदालत ने पूर्व मंत्री अरूप विश्वास पर अदालत परिसर में कथित अंडे फेंकने की घटना पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आरोपियों की सार्वजनिक बेइज्जती और उन पर अंडे फेंकने जैसी प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए।

जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने रिटायर्ड जज जस्टिस सुब्रत तालुकदार को 30 सितंबर तक विशेष अधिकारी नियुक्त किया। अदालत ने तय किया कि उनकी निगरानी में ही TMC अपने फ्रीज किए गए बैंक खातों का सीमित इस्तेमाल कर सकेगी। क्या पार्टी अब बैंक खातों से मनचाहा खर्च कर सकेगी?

बिल्कुल नहीं। अदालत ने साफ कर दिया कि खातों से सिर्फ पार्टी के रोजमर्रा के संचालन और कानूनी मामलों से जुड़े खर्च ही किए जा सकेंगे। कोर्ट ने स्पष्ट कहा, 'स्पेशल ऑफिसर किसी भी अन्य बड़े या छोटे खर्च की अनुमति नहीं देंगे।' हालांकि राज्य सरकार ने कानूनी खर्चों के लिए रकम निकालने का विरोध किया, लेकिन अदालत ने इसकी भी इजाजत दे दी। बागी विधायक विश्वनाथ दास ने अदालत में दलील दी थी कि यदि TMC को सीधे बैंक खाते संचालित करने की छूट मिल गई तो अहम सबूतों से छेड़छाड़ हो सकती है। इसी आशंका को ध्यान में रखते हुए अदालत ने कहा कि दोनों पक्षों के हितों की रक्षा के लिए विशेष अधिकारी की नियुक्ति सबसे संतुलित व्यवस्था होगी।

क्या होगी पैसे निकालने की प्रक्रिया?

कोर्ट ने निर्देश दिया कि तीनों खातों के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं में से किसी भी दो को जरूरत पड़ने पर विशेष अधिकारी के सामने चेक पेश करना होगा। विशेष अधिकारी चेक पर काउंटर साइन करेंगे, तभी बैंक से भुगतान किया जा सकेगा।

क्या विशेष अधिकारी को भी इसी खाते से वेतन मिलेगा?

जी हां। अदालत ने निर्देश दिया कि विशेष अधिकारी को हर महीने 1.25 लाख रुपये मानदेय दिया जाएगा और यह भुगतान भी इन्हीं बैंक खातों से किया जाएगा।

आखिर TMC के बैंक खाते फ्रीज क्यों किए गए थे?

बिधाननगर पुलिस ने पार्टी फंड के कथित दुरुपयोग की शिकायत मिलने के बाद तीनों बैंक खातों को डेबिट-फ्रीज कर दिया था। यह शिकायत बागी विधायक विश्वनाथ दास ने दर्ज कराई थी। हालांकि TMC ने इन आरोपों को निराधार, दुर्भावनापूर्ण और राजनीतिक साजिश करार देते हुए कहा कि इससे पार्टी का नियमित कामकाज प्रभावित हुआ है।

क्या अदालत को शिकायत में कोई ठोस आधार नजर आया?

हाईकोर्ट ने पहली नजर में ऐसा नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि शिकायत बेहद सामान्य है और उसमें किसी खास लेन-देन या घटना का स्पष्ट उल्लेख तक नहीं किया गया है। अदालत ने पूछा कि शिकायत दर्ज होने के महज अगले दिन ही बैंक खाते फ्रीज करने की इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई गई? अपने आदेश में अदालत ने कहा कि 18 जून को शाम 6 बजे एफआईआर दर्ज हुई और अगले ही दिन 19 जून को तीनों खातों को डेबिट-फ्रीज कर दिया गया। कोर्ट ने यह भी कहा कि फिलहाल उसके सामने ऐसा कोई ठोस आधार नहीं आया है, जिससे इतनी तत्काल कार्रवाई उचित साबित हो सके।

वर्क फ्रॉम होम या बारिश का जादू? नुसरत भरूचा का मजेदार पोस्ट हुआ वायरल

वर्क फ्रॉम होम के दौरान ध्यान भटकना आजकल लगभग हर किसी की कहानी बन चुकी है। लेकिन अभिनेत्री नुसरत भरूचा के लिए इसकी वजह कोई सोशल मीडिया या फोन नहीं, बल्कि मानसून का खूबसूरत नज़ारा है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने घर पर वर्कआउट करते हुए कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिनमें उनकी फिटनेस के साथ-साथ बारिश से सराबोर खूबसूरत माहौल ने भी सबका ध्यान खींच लिया। तस्वीरों में नुसरत व्हाइट स्पोर्ट्स टॉप, ब्राइट रेड शॉर्ट्स और मैचिंग स्नीकर्स पहने नज़र आ रही हैं। वह डंबल्स के साथ एक्सरसाइज, स्क्वैट्स और स्ट्रेचिंग करती दिखाई दे रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में वह अपनी बालकनी में खड़े होकर बारिश के मनमोहक नज़ारे का आनंद लेती भी नज़र आ रही हैं। वैसे घर पर रहकर फिटनेस को प्राथमिकता देने के साथ उन्होंने एक बार फिर हेल्दी लाइफस्टाइल की झलक दिखाई है। हालांकि, इस पोस्ट की सबसे खास बात उसका कैप्शन है। मानसून के खूबसूरत मौसम और हरियाली से घिरे नज़ारों के बीच नुसरत ने मजाकिया अंदाज में लिखा, उन्होंने कहा था, वर्क फ्रॉम होम उनका यह कैप्शन साफ तौर पर इशारा करता है कि ऐसे सुहाने मौसम में काम पर ध्यान केंद्रित करना कितना मुश्किल हो जाता है।

पोस्ट में बालकनी से दिखता हराभरा नज़ारा, बादलों से घिरा आसमान और शांत वातावरण मानसून की खूबसूरती को और भी खास बना रहा है। यही वजह है कि नुसरत का यह पोस्ट उन लोगों से भी जुड़ गया जो घर से काम करते हुए अक्सर बारिश के मौसम में खिड़की या बालकनी की ओर खिंचे चले जाते हैं।

नुसरत भरूचा अपने सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी रोजमर्रा की जिंदगी की झलकियां साझा करती रहती हैं। कभी फिटनेस, कभी फैशन, कभी ट्रैवल तो कभी पर्दे के पीछे के खास पलों से सजे उनके पोस्ट फैंस को काफी पसंद आते हैं। इस बार भी उनका यह हल्का-फुल्का और रिलेटेबल पोस्ट सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रहा है और याद दिला रहा है कि कभी-कभी काम के बीच कुछ पल प्रकृति का आनंद लेना भी जरूरी होता है।

नेहा धूपिया का अंतरराष्ट्रीय धमाका, लंदन फिल्म महोत्सव का उद्घाटन करेगी फिल्म 52 ब्लू

नेहा धूपिया बॉलीवुड से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म 52 ब्लू लंदन फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन करने के लिए तैयार है। 9 जुलाई, 2026 को बीएफआई साउथबैंक में अपने यूरोपीय प्रीमियर के साथ अभिनेत्री एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेंगी। 52 ब्लू का ट्रेलर और पहली झलक दर्शकों व समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल कर चुकी है। खासतौर पर, नेहा के दमदार अभिनय को लोगों ने खूब पसंद किया है।

नेहा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, 52 ब्लू मेरे लिए हमेशा बेहद खास फिल्म रहेगी, क्योंकि यह मेरा पहला अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट है। लंदन फिल्म फेस्टिवल में इसका प्रदर्शन देखना किसी सपने जैसा है। उन्होंने कहा, फिल्म का यूरोपीय प्रीमियर पूरी टीम के लिए बहुत बड़ा सम्मान है। आदिल हुसैन और बाकी कलाकारों जैसे प्रतिभाशाली सह-कलाकारों के साथ इस पल को साझा करना इसे और भी

यादगार बनाता है। मैं लंदन में दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्सुक हूं।

मिस्र के फिल्मकार अली अल अरबी द्वारा निर्देशित, 52 ब्लू फीफा विश्व कप 2022 की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भारतीय प्रवासी मजदूर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में फुटबॉल आइकन लियोनल मेसी भी शामिल हैं, जिससे परियोजना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा है। नेहा क युवा लड़के (यादव शशिधर) की मां के किरदार में हैं, जो मेसी का बहुत बड़ा प्रशंसक है और उनसे मिलना चाहता है। फिल्म की कहानी भावनात्मक गंभीरता और संघर्षों को दर्शाती है।

राघव जुयाल की फिल्म भाई तेरा स्टार है का टीजर जारी, 30 जुलाई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

राघव जुयाल अपनी सोलो फिल्म भाई तेरा स्टार है के जरिए सिनेमाघरों में आने को तैयार हैं। हाल ही में मोशन पोस्टर आया था। ज्यादा इंतजार न कराते हुए निर्माताओं ने इसका टीजर जारी कर दिया है। फिल्म में राघव अजय सिंह नाम का ऐसा किरदार निभा रहे हैं, जो दिन-रात सिर्फ हीरो बनने का सपना देखता है। निर्देशन की कमान विवेक बी. अग्रवाल ने संभाली है। निर्माण ईस्टवुड पिक्चर्स और इंडियन स्टोरीज 2 के बैनर तले किया गया है।

टीजर की शुरुआत राघव के किरदार से होती है, जो खुद को रॉकिंग रिबेल सुपर अल्ट्रा फ्यूचर स्टार बताकर अपना परिचय कराता है। ये ऐसा किरदार हैं, जो हीरो बनने के लिए झूठ बोलने से नहीं कतराता और खुद को सुपरस्टार समझता है। कहानी बॉलीवुड और उसके पीछे छिपे संघर्षों से पर्दा उठाती है। फिल्म में निहारिका एनएम (यूट्यूबर), संजय कपूर, बरखा सिंह और चंदन रॉय सान्याल भी मौजूद हैं। यह 30 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राघव को पहचान टीवी शो डांस इंडिया डांस से मिली थी, जिसमें उन्होंने प्रतियोगी बनकर हिस्सा लिया। साल 2014 में फिल्म सोनाली केबल से अपना फिल्मी डेब्यू किया। इसके बाद रेमो डिसूजा की फिल्म एबीसीडी एबीसीडी 2 और स्ट्रीट डांसर में नजर आए। लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म किल (2023) में नकारात्मक और खूंखार किरदार निभाकर राघव ने खूब चर्चा बटोरी। उन्हें आखिरी बार वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड (2025) में देखा गया था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com